RNI No. MPHIN/25/A4421

दैनिक दिव्य संवाद

वर्ष 01 अंक: 07 | उज्जैन बुधवार दिनांक 11 फरवरी 2026 फालगुन मास कृष्ण पक्ष नवमी संवत् 2082 | पृष्ठ: 8 मूल्य :02 रूपये

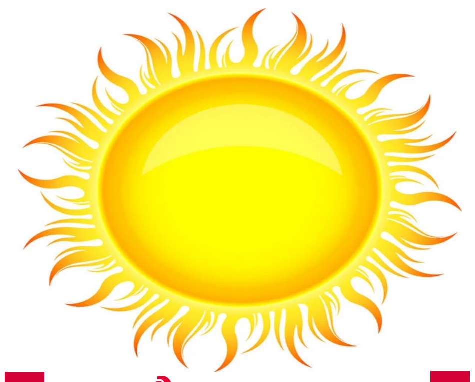

मौसम आज

तापमान

न्यूनतम - 17 डि.से.

अधिकतम - 30 डि.से.

पं. दीनदयाल उपाध्यायः एकात्म मानवदर्शन के प्रणेता और समर्थ भारत निर्माण के चिंतक- डॉ. मोहन यादव

भोपाल। व्यक्ति से समाज और समाज से राष्ट्र निर्माण का मार्ग दिखाने वाले , विलक्षण व्यक्तित्व के धनी , एकात्म मानव दर्शन और अंत्योदय के प्रणेता पं . दीनदयाल उपाध्याय जी के चरणों में कोटिशः नमन।

पं . दीनदयाल जी का जीवन भारत राष्ट्र को दिशा देने वाला प्रकाश स्तंभ है। वे एक ऐसे ऋषि राजनेता थे जो समाज, संस्कृति और राष्ट्र के समग्र उत्थान के लिए समर्पित रहे। उन्होंने राजनीति को राष्ट्रधर्म की साधना का माध्यम माना। उनका स्पष्ट मत था कि स्वतंत्र भारत की यात्रा भारतीय दर्शन , संस्कृति और परंपरा के अनुरूप होनी चाहिए।

पं . दीनदयाल जी ने राजनीतिक चिंतन को भारतीय मूल्यों से जोड़ते हुए एकात्म मानव दर्शन का सूत्र दिया। इसमें व्यक्ति , समाज , राष्ट्र और सृष्टि के बीच समन्वय और संतुलन समाहित है। यह जीवन और संपूर्ण सृष्टि को एक सूत्र में पिरोता है। यही दर्शन व्यष्टि से समष्टि की रचना करता है। इसमें श्रीकृष्ण के वसुधैव कुटुम्बकम के भाव से लेकर आज के वैश्विक परिदृश्य का समावेश है।

पं . दीनदयाल जी भारत के भविष्य की कल्पना चतुर्पुरुषार्थ -धर्म , अर्थ , काम और मोक्ष के आधार पर की। उनका विश्वास था कि इन चारों का संतुलन ही व्यक्ति और समाज को पूर्णता की ओर ले जा सकता है। यदि व्यक्ति और समाज को विकास के समान अवसर दिए जाएँ , तो स्वावलंबी और समर्थ समाज का निर्माण संभव है। पं . दीनदयाल जी का मानना था कि राजनीति का अंतिम लक्ष्य सशक्त , समरस और स्वाभिमानी राष्ट्र का निर्माण है। उनका विकास मॉडल

केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं था , बल्कि उसमें सांस्कृतिक चेतना , सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक संतुलन का समावेश था। वे चाहते थे कि विकास का लाभ अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे , तभी वह सच्चा विकास कहलाएगा। यही अंत्योदय का भाव है।

हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत जिस विकास पथ पर अग्रसर है , उसके मूल में पं . दीनदयाल जी का चिंतन है। विरासत से विकास , आत्मनिर्भर भारत , वोकल फॉर लोकल और सबका साथ - सबका विकास , यह सभी एकात्म मानव दर्शन के आधुनिक रूप हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का संकल्प है कि वर्ष 2047 , स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को विश्व की सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित किया जाए। यह संकल्प पं . दीनदयाल जी के स्वप्निल भारत की ही साकार अभिव्यक्ति है।

मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के आत्मनिर्भर और विकसित भारत निर्माण की परिकल्पना को मूर्तरूप देने की दिशा में प्रदेश के प्रत्येक अंचल को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश के हर क्षेत्र की क्षमता , मेधा और दक्षता को अवसर प्रदान करने के लिए जहां रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का नवाचार किया गया, वहीं भोपाल में संपन्न हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से स्थानीय उद्योगों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। निवेश के लिये हमने यूके , जर्मनी , जापान और दावोस आदि यात्राएं कीं और हैदराबाद , कोयंबटूर सहित मुंबई में रोड-शो के माध्यम से उद्योगपतियों को आमंत्रित किया। यह क्षेत्रीय से वैश्विक स्तर तक उद्योग को जोड़ने का पहला सशक्त प्रयास है।

मुझे यह बताते हुए संतोष है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में पं . दीनदयाल उपाध्याय जी के चिंतन को व्यवहार में उतारने का प्रयत्न किया जा रहा है। समरस, संवेदनशील और उत्तरदायी शासन के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक योजनाएं और विकास के लक्ष्य धरातल पर पहुंच रहे हैं। प्रदेश में गरीब कल्याण, किसान कल्याण, युवा शक्ति और नारी सशक्तिकरण को केन्द्र में रखकर 4 मिशन के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। इससे समाज के सभी वर्गों के कल्याण का लक्ष्य पूर्ण होगा।

पं . दीनदयाल जी ने आर्थिक विकास के लिए कृषि , उद्योग , परिवहन , व्यापार समाज , सुरक्षा एवं सेवा का एक स्पष्ट और व्यावहारिक क्रम बताया। इस क्रम में कृषि प्रधान देश भारत में खेती को प्रथम स्थान देने की आवश्यकता व्यक्त की। उनका मानना था यदि देश में कृषि सुदृढ़ होगी , तो किसानों की आय बढ़ेगी , ग्रामीण जीवन में स्थिरता आएगी और उद्योगों को कच्चा माल एवं श्रम दोनों सहज रूप से उपलब्ध होगा। इससे किसान, उपभोक्ता और समाज तीनों का संतुलन बना रहेगा। पं . दीनदयाल जी खेती की मजबूती और किसानों की समृद्धि को समग्र विकास का आधार मानते थे। मुझे यह बताते हुए संतोष है कि मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के मार्गदर्शन में किसानों के स्वाभिमान, सुरक्षित जीवन और आत्मनिर्भरता को केन्द्र में रखकर वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसमें आधुनिक तकनीक , उन्नत बीज , सिंचाई , भंडारण और बाजार तक बेहतर पहुंच के माध्यम से खेती को लाभ का व्यवसाय बनाया जाएगा। कृषि आजीविका के साधन के साथ प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। कृषि क्षेत्र के सशक्तिकरण में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने वर्ष 2025-26 किसानों के कल्याण के लिए समर्पित किया है। मध्यप्रदेश में पार्वती-कालीसिंध-चंबल तथा केन-बेतवा नदी लिंक राष्ट्रीय परियोजना सहित ताप्ती ग्राउंड वॉटर रिचार्ज मेगा परियोजना से प्रदेश के 25 जिलों में 16 लाख हेक्टेयर से अधिक अतिरिक्त कृषि रकबा सिंचित होगा। प्रदेश के किसानों के समग्र कल्याण के लिए हर जरूरी कदम उठाया जायेगा।

न्यूज गैलरी

गुंडा राज हमें स्वीकार्य नहीं, जिला न्यायालय में मारपीट के आरोपों पर सीजेआई की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने सोमवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि गुंडा राज अस्वीकार्य है। उन्होंने सात फरवरी को एक जिला न्यायालय के अंदर मारपीट का आरोप लगाने वाले एक वकील को दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से संपर्क करने के लिए कहा। एक वकील ने प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ के समक्ष तत्काल सुनवाई के लिए अपनी याचिका का उल्लेख किया। वकील ने कहा, मैं तीस हजारी कोर्ट में अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (एडीजे) हरजीत सिंह पाल की अदालत में आरोपित की ओर से पेश हुआ था। शिकायतकर्ता के वकील ने कई गुंडों के साथ मिलकर मुझ पर हमला किया, उन्होंने मुझे पीटा और न्यायाधीश वहीं बैठे थे। अदालत के सभी सदस्य वहां मौजूद थे। इस पर सीजेआई ने कहा कि यह घटना सात फरवरी को हुई थी। क्या आपने इसकी सूचना दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को दी है? मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखें और मुझे भी इसकी सूचना दें। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संज्ञान लें। कार्रवाई प्रशासनिक स्तर पर होगी। इस तरह का गुंडा राज हमें स्वीकार्य नहीं है।

ईपीएस के तहत 47 लाख से अधिक लोगों को नौ हजार रुपये से कम मासिक पेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में सोमवार, 9 फरवरी को श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि कर्मचारी पेंशन योजना 1995 (ईपीएस-95) के तहत 9,000 रुपये से कम पेंशन प्राप्त करने वाले सक्रिय पेंशनभोगियों की कुल संख्या देश में 47.04 लाख है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के अनुसार, ईपीएस-95 के तहत वर्तमान पेंशनभोगियों की कुल संख्या 82,11,182 है। एक प्रश्न के लिखित उत्तर में शोभा करंदलाजे बताया कि ट्रेड यूनियनों और जन प्रतिनिधियों सहित विभिन्न हितधारकों से इस योजना के तहत न्यूनतम पेंशन को मौजूदा एक हजार रुपये प्रति माह से बढ़ाने के लिए अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं। शोभा करंदलाजे ने आगे बताया, कर्मचारी पेंशन कोष में नियोक्ता द्वारा वेतन का 8.33 प्रतिशत अंशदान और केंद्र सरकार द्वारा 15,000 रुपये प्रति माह तक के वेतन पर 1.16 प्रतिशत अंशदान शामिल है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत सभी लाभ इसी कोष से दिए जाते हैं।

भारत ने नेपाल को क्यों दिए 50 सैन्य वाहन, क्या चीन पर होगा निशाना?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने रक्षा सहयोग को और अधिक मजबूती प्रदान करते हुए नेपाल की सेना को 50 सैन्य उपयोग वाले विशेष वाहन सौंपे हैं। यह वाहन भारत-नेपाल सीमा पर नेपाल सेना को दिए गए।

भारतीय सेना ने सोमवार, 9 फरवरी को बताया कि इन वाहनों को काठमांडू में आयोजित एक औपचारिक समारोह के दौरान प्रस्तुत किया गया।

नेपाली सेना को सौंपे हथियार- नेपाल में भारत के राजदूत द्वारा औपचारिक रूप से यह पहल की गई। भारतीय सेना का यह कदम दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे रक्षा सहयोग को और गहराई देता है। यह कदम नेपाल सेना की क्षमता निर्माण को सशक्त बनाने की दिशा में भारतीय सेना की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

डिजिटल धोखाधड़ी से 54,000 करोड़ रुपये हड़पे जाना पूरी तरह से डकैती, केंद्र को SOP बनाने का निर्देशः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार, 9 फरवरी को डिजिटल धोखाधड़ी के जरिए देशभर में 54,000 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि यह पूरी तरह से लूट या डकैती है।

शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह ऐसे मामलों से निपटने के लिए आरबीआइ, बैंकों, दूरसंचार विभाग और अन्य संबंधित पक्षों के साथ परामर्श करके चार महीने के भीतर एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करे।

कोर्ट ने यह भी कहा कि बैंकों की ये जिम्मेदारी है कि वे ऐसा तंत्र विकसित करें, जिनसे ग्राहकों को बड़े और संदिग्ध लेनेदेन के बारे में तुरंत अलर्ट किया जा सके।

डिजिटल धोखाधड़ी के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान- प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने डिजिटल धोखाधड़ी के पीड़ितों के मामलों में स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की।

अदालत ने यह भी कहा कि ऐसे अपराध बैंक अधिकारियों की मिलीभगत या लापरवाही के कारण हो सकते हैं। कोर्ट ने आरबीआइ और बैंकों को समय पर कार्रवाई करने की जरूरत पर बल दिया।

कोर्ट ने यह भी नोट किया कि आरबीआइ ने डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने के लिए बैंकों द्वारा डेबिट कार्ड को अस्थायी रूप से रोकने के लिए एक एसओपी बनाया है। पीठ ने डिजिटल धोखाधड़ी रोकने के लिए किए जा रहे उपायों पर केंद्र सरकार द्वारा दाखिल की गई स्टेटस रिपोर्ट देखी और उस पर विचार किया।

मौजूदा स्थिति यही है, पूर्व आर्मी चीफ नरवणे ने अपनी किताब को लेकर क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सेना अध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे ने अपनी अप्रकाशित किताब को लेकर पहला बयान दिया है। उन्होंने एक्स पर किताब की प्रकाशक कंपनी पेंगुइन इंडिया के बयान का हवाला देते हुए लिखा, किताब की मौजूदा स्थिति ये है।

पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने बीते दिन स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा था कि जनरल नरवणे की आत्मकथा फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी के प्रकाशन के सभी अधिकार उनके पास हैं और पुस्तक अभी तक किसी भी रूप में प्रकाशित नहीं हुई है।

भारत और ग्रीस ने रक्षा औद्योगिक सहयोग के संयुक्त घोषणा पत्र को दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ग्रीस ने देशों के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग को मजबूत करने के लिए एक संयुक्त घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए, जो साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए पांच वर्षीय रोडमैप विकसित करने का एक प्रारंभिक बिंदु है। यह समझौता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा यहां

मानेकशा सेंटर में ग्रीक गणराज्य के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री निकोलाओस-जार्जियस डेंडियास के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद किया गया।

राजनाथ सिंह ने सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में ग्रीक पक्ष से इस घोषणा का स्वागत किया कि उस देश का एक अंतरराष्ट्रीय समन्वय अधिकारी सूचना फ्यूजन सेंटर-भारतीय महासागर क्षेत्र (आइएफसी-आइओआर), गुरुग्राम में तैनात किया जाएगा, ताकि दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग को बढ़ाया जा सके।

मानदेय से लेकर पेंशन तक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले वर्ष विधानसभा चुनाव में उतरने से पहले प्रदेशवासियों को खुश करने के लिए योगी सरकार अपने दसवें बजट में सामाजिक योजनाओं को तव्वजों देने के साथ ही विकास की परियोजनाओं के लिए सरकारी खजाने से भारी-भरकम धनराशि देने जा रही है। चुनावी बजट में समाज के हर तबके का ध्यान रखते हुए सरकार युवाओं से लेकर महिलाओं व बुजुर्गों के जीवन को सुगम बनाने के लिए तमाम योजनाओं के जरिए तो भारी-भरकम धनराशि देगी ही, विकसित उत्तर प्रदेश के लिए अवस्थापना व आवागमन संबंधी परियोजनाओं पर भी और फोकस बढ़ाने वाली है ताकि राज्य आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सके। चूंकि बेहतर कानून व्यवस्था के बिना कुछ भी संभव नहीं है इसलिए जीरो टालरेंस नीति के तहत इसे सुदृढ़ बनाने के लिए योगी सरकार इस बार पुलिस महकमे को 45 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा दे सकती है।

महाशिवरात्रि वाराणसी मे उमंग और भक्ति का महाकुम्भ है

दैनिक दिव्य संवाद/ सौरभ मिश्रा/ वाराणसी। काशी मे महाशिवरात्रि महज एक त्योहार नहीं है, बल्कि यह भक्ति, संस्कृति, समावेशिता और शहर की जीवंत विरासत का एक अद्वितीय उत्सव है।

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की नगरी वाराणसी में व्याप्त उमंग, उल्लास और गहरी भक्ति को शब्दों में पूरी तरह व्यक्त करना असंभव है। ऐसा माना जाता है कि यह वह दिव्य रात्रि है जब भगवान शिव देवी पार्वती से विवाह करते हैं, जो सृष्टि की दिव्य शक्तियों, शिव और शक्ति के पवित्र मिलन का प्रतीक है।

ऐसा कहा जाता है कि भगवान शिव हिमालय की पुत्री देवी पार्वती से विवाह करने के लिए देवताओं, आत्माओं, राक्षसों, मनुष्यों, जानवरों और अस्तित्व के संपूर्ण स्वरूप का प्रतिनिधित्व करने वाले प्राणियों के एक भव्य दल के साथ आते हैं। इसलिए महाशिवरात्रि को एक सार्वभौमिक और समावेशी त्योहार के रूप में मनाया जाता है जिसमें हर कोई, अपनी पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, समान उत्साह के साथ भाग लेता है।

वाराणसी की संस्कृति, अन्य प्राचीन सभ्यताओं की तरह, सहस्राब्दियों से समाहित परंपराओं और प्रभावों का एक अनूठा मिश्रण है।

काशी में, प्रत्येक कण को शिव का अवतार माना जाता है, यहाँ के नागरिकों को दिव्य समझा जाता है, और प्रत्येक घटना को ब्रह्मांडीय शक्तियों का एक अद्भुत खेल माना जाता है। इसी पृष्ठभूमि में, महाशिवरात्रि एक असाधारण अवसर के रूप में उभरती है, जिसमें दस लाख से अधिक निवासी, तीर्थयात्री और पर्यटक अद्वितीय उत्साह के साथ भाग लेते हैं।

लाखों तीर्थयात्री नंगे पैर पंचक्रोशी परिक्रमा करते हैं , जो वाराणसी की प्राचीन और आधुनिक बस्तियों की परिक्रमा है। ÷हर-हर बम-बम÷ का जाप करते हुए वे बिना थके दौड़ते हैं, और बीच-बीच में अस्थायी दुकानों पर रुकते हैं जहाँ स्थानीय निवासी पानी, बादाम ठंडाई, फल और साधारण नाश्ता परोसते हैं। इस तीर्थयात्रा में भक्तों को एक निश्चित क्रम में विशिष्ट मंदिरों के दर्शन करने होते हैं, एक ऐसी परंपरा जिसने सदियों से इन विरासत स्थलों के रखरखाव को सुनिश्चित किया है और उन्हें जीवंत इतिहास के रूप में संरक्षित रखा है।

पूरे शहर में, ठंडेई और भांग से बनी मिठाइयों से भरे पड़े हैं, साथ ही अनाज के बिना तैयार किए गए व्रत के व्यंजनों की एक विस्तृत श्रृंखला भी उपलब्ध है। इनमें अनारदाना (सिंदूरी शाहबलूत के आटे से बना एक स्वादिष्ट व्यंजन), कचालू (सूखे आम के पाउडर से बना मसालेदार आलू का नाश्ता), काजू, बादाम और दूध के ठोस पदार्थों से बनी लज़ीज़ मिठाइयाँ और पनीर से बने कई तरह के तले और भाप में पकाए गए व्यंजन शामिल हैं। कई व्यंजन कुक्कुट, सिंघाड़े के आटे, भूरे चावल, मूंगफली और दही से अनूठे ढंग से तैयार किए जाते हैं,

महाशिवरात्रि पर काशी विश्वनाथ मंदिर में विशेष श्रृंगार, चारों पहर की पूजा और रुद्राभिषेक का विशेष महत्व है

काशी में महाशिवरात्रि का मुख्य महत्व और परंपराएँ- भगवान शिव का विवाह मान्यता है कि महाशिवरात्रि की रात को भगवान शिव ने माता पार्वती से विवाह किया था। काशी में इस दिन शिव और शक्ति का मिलन मनाया जाता है।

भव्य शिव बारात काशी में मुख्य रूप से महामृत्युंजय महादेव मंदिर (दारानगर) और तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर से भव्य शिव बारात निकाली जाती है, जिसमें लोग नाचते-गाते और डमरू बजाते हुए शामिल होते हैं।

बाबा विश्वनाथ का विशेष श्रृंगार - महाशिवरात्रि पर बाबा विश्वनाथ को दूल्हे के रूप में सजाया जाता है और विशेष हल्दी रस्म परम्परा गत महंत आवास (टेढ़ीनीम) आयोजित की जाती है

समावेशी संस्कृति- महाशिवरात्रि यहाँ देश विदेश तक से सभी को बाबा के दरबार में एक समान लाती है, जो काशी की साझी संस्कृति का प्रतीक है।

काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन- लाखों श्रद्धालु इस दिन गंगा स्नान कर काशी विश्वनाथ मंदिर में जल, दूध और फूल अर्पण करते हैं, जिसे झांकी दर्शन के रूप में भी जाना जाता है।

हर-हर महादेव का उद्घोष- पूरा शहर हर-हर महादेव के जयकारों के साथ गुंजायमान रहता है और मंदिरों में रात भर पूजा-अर्चना चलती है।

महाशिवरात्रि का यह आयोजन काशी के आध्यात्मिक वातावरण को और भी जीवंत बना देता है।

महाशिवरात्रि पर महाकाल नगरी हाई अलर्ट, 10 लाख श्रद्धालुओं के लिए अभेद्य सुरक्षा घेरा

दैनिक दिव्य संवाद/ उज्जैन। महाशिवरात्रि पर्व पर श्री महाकालेश्वर के दर्शन के लिए उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं की कमान संभाल ली है। 15 और 16 फरवरी को देशभर से करीब 10 लाख श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने का अनुमान है। इसी के मद्देनज़र नवागत एडीजी राकेश गुप्ता ने डीआईजी नवनीत भसीन और एसपी प्रदीप शर्मा के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की।

बैठक में सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, ट्रैफिक नियंत्रण, वीआईपी मूवमेंट और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर विस्तृत रणनीति बनाई गई। प्रशासन ने लक्ष्य तय किया है कि श्रद्धालुओं को अधिकतम 40 मिनट में बाबा महाकाल के दर्शन कराए जाएं।

1500 पुलिसकर्मी, 5 ड्रोन और 200 सीसीटीवी से रहेगी नजर- महाशिवरात्रि के दौरान महाकाल मंदिर परिसर और शहर के प्रमुख मार्गों पर करीब 1500 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे।

इनमें से 250 पुलिसकर्मी वीआईपी व्यवस्था के लिए अलग से लगाए जाएंगे। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 150 महिला सुरक्षाकर्मी तैनात होंगी। भीड़ पर नजर रखने के लिए 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरे, 5 ड्रोन कैमरे और एआई आधारित निगरानी प्रणाली का उपयोग किया जाएगा, जिससे किसी भी स्थिति पर तुरंत नियंत्रण किया जा सके।

हर 300 मीटर पर हेल्थ पॉइंट, पानी और सहायता केंद्र- श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हर 300 मीटर पर मेडिकल हेल्थ पॉइंट, पेयजल और सहायता केंद्र बनाए जाएंगे।

वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए विशेष सहायता दल मौजूद रहेंगे।

शहर में अलग-अलग स्थानों पर पार्किंग स्थल तय किए गए हैं और प्रमुख मार्गों पर व्यापक बैरिकेडिंग की जाएगी, ताकि ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

सामान्य श्रद्धालुओं के लिए यह रहेगा प्रवेश और निकास मार्ग - सामान्य श्रद्धालुओं की एंट्री भील समाज धर्मशाला के समीप से होगी। यहां से श्रद्धालु चारधाम मंदिर पार्किंग, शक्तिपथ,त्रिवेणी संग्रहालय, नंदी द्वार, महाकाल महालोक , मानसरोवर भवन, फैसेलिटी सेंटर-1 टनल, नवीन टनल-1 से होकर गणेश मंडपम् से बाबा महाकाल के दर्शन करेंगे।

दर्शन के बाद श्रद्धालु आपातकालीन निर्गम द्वार से बाहर आकर गणेश मंदिर और हरसिद्धि मंदिर चौराहा होते हुए रवाना होंगे।

शीघ्र दर्शन और पासधारी श्रद्धालुओं की अलग व्यवस्था- शीघ्र दर्शन टिकटधारी श्रद्धालुओं के लिए भील समाज धर्मशाला के पास अलग बैरिकेडिंग की गई है। यहां से श्रद्धालु चारधाम मंदिर पार्किंग, अशोक सेतु, मानसरोवर भवन, फैसेलिटी सेंटर-1 टनल, नवीन टनल-1 होते हुए गणेश मंडपम् से दर्शन करेंगे।

पासधारी श्रद्धालु हरसिद्धि पाल पार्किंग जिगजेग से होकर बड़ा गणेश के पास वाली गली, प्रीपेड बूथ तिराहा, शहनाई जिगजेग द्वार नंबर-1 से प्रवेश करेंगे।

भस्मार्ती दर्शन व्यवस्था

महाशिवरात्रि पर भस्मार्ती के लिए पंजीकृत श्रद्धालुओं का प्रवेश मानसरोवर भवन और द्वार क्रमांक-1 से निर्धारित किया गया है।

यहां रहेगी पार्किंग व्यवस्था- सामान्य श्रद्धालु- कर्कराज पार्किंग, मेघदूत पार्किंग,

शीघ्र दर्शन टिकटधारी- कार्तिक मेला ग्राउंड, राणौजी की छत्री, शगुन गार्डन और महाकाल मंडपम।

यहां मिलेगी चिकित्सा सुविधा- श्री महाकालेश्वर मंदिर प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, त्रिवेणी इंटरप्रिटेशन सेंटर, कर्कराज व चारधाम मंदिर पार्किंग, हरसिद्धि मंदिर चौराहा, बड़ा गणेश मंदिर, मानसरोवर भवन, महाकाल प्लाजा, फैसेलिटी सेंटर, भस्मार्ती द्वार गेट नंबर-4, नीलकंठ द्वार और निर्गम द्वार।

इसके अलावा एम्बुलेंस व्यवस्था, जिला अस्पताल में आपातकालीन बेड और चिकित्सकों की टीम 24 घंटे उपलब्ध रहेगी।

पहले चरण में कंठाल से सतीगेट तक होगा सड़क चौड़ीकरण

नपती के साथ ही मकान-दुकान मालिकों को थमाए जाएंगे 7 दिन के नोटिस

दैनिक दिव्य संवाद/ उज्जैन। शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल कंठाल से सतीगेट तक अब सड़क चौड़ीकरण का काम तेजी से आगे बढ़ेगा। नगर निगम ने पहले चरण में सतीगेट के पहले तक करीब 150 मीटर मार्ग चौड़ा करने की योजना बनाई है। इसके लिए नपती और नोटिस वितरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इस मार्ग पर आए दिन लगने वाले भारी जाम से लोगों को राहत दिलाने के लिए निगम ने यह कदम उठाया है। खासकर सतीगेट से खड़े हनुमान और कंठाल क्षेत्र में स्थिति सबसे ज्यादा खराब रहती है। यहां कई दुकानदारों द्वारा 10-10 फीट तक सड़क पर सामान फैलाने से यातायात बाधित हो रहा है।

10 महीने में अधूरा रहा काम, अब निगम ने कसी कमर -नगर निगम द्वारा कोयला फाटक से कंठाल तक चौड़ीकरण का काम शुरू हुए करीब 10 महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक सिर्फ 350 से 400 मीटर सड़क ही बन पाई है। निजातपुरा और नरेन्द्र टॉकीज रोड पर विकास कार्य भी अपेक्षित गति से नहीं हो सका। अब निगम ने तय किया है कि कंठाल से सतीगेट तक के हिस्से में सीवर लाइन का कार्य भी किया जाना है, इसलिए पहले ही चरण में यहां कार्रवाई शुरू की जाएगी।

सीवर, पाइपलाइन और पोल शिफ्टिंग के बाद बनेगी सड़क - नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि पहले चरण में कंठाल से सतीगेट के पहले तक दोनों ओर के मकान और दुकान मालिकों को नोटिस दिए जाएंगे।सबसे पहले सीवर लाइन, फिर पाइपलाइन बिछाने, उसके बाद बिजली के पोल हटाने और अंत में नई सड़क निर्माण का काम किया जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण में सतीगेट से खड़े हनुमान तक चौड़ीकरण किया जाएगा।

दो दिन में नपती, सात दिन का नोटिस - निगम अधिकारियों के अनुसार नोटिस तैयार करने का काम शुरू हो चुका है।

अगले दो दिनों में इंजीनियर मौके पर पहुंचकर नपती करेंगे और उसी समय संबंधित लोगों को 7 दिन की अवधि के नोटिस सौंप दिए जाएंगे।

नोटिस की समयसीमा पूरी होने के बाद किसी भी समय तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू की जा सकती है।

इसलिए जरूरी है यहां चौड़ीकरण

-सतीगेट- कंठाल मार्ग शहर का प्रमुख बाजार क्षेत्र

-दिनभर भारी यातायात और बार-बार जाम

-दुकानों का अतिक्रमण सबसे बड़ी समस्या

-सीवर और पाइपलाइन पुराने होने से बार-बार खुदाई

-चौड़ी सड़क बनने से यातायात और व्यापार दोनों को राहत

अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों ने बजट 2026 की बारीकियों पर की चर्चा

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय माधव महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में 'बजट 2026: विकसित भारत की ओर एक कदम' विषय पर विशेष परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभाग के विद्यार्थियों ने न केवल बजट निर्माण की प्रक्रिया को समझाया, बल्कि बजट के आय-व्यय के गणित और विभिन्न प्रावधानों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. कल्पना वीरेंद्र सिंह ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने बजट 2026 को विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने और धारणीय विकास की दिशा में एक सफल प्रयास बताया। उन्होंने इस बात पर विशेष हर्ष व्यक्त किया कि भावी अर्थशास्त्रियों (विद्यार्थियों) ने स्वयं इस परिचर्चा का आयोजन किया और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता दुबे ने विद्यार्थियों को बजट के तकनीकी प्रावधानों से अवगत कराया। डॉ. दिनेश जोशी ने बजट में स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र के लिए किए गए विशेष प्रावधानों को रेखांकित किया। वहीं, डॉ. ममता पवार ने बजट 2026 में हुए नवीन बदलावों की जानकारी दी और प्रो. कंचन ससाने ने राजकोषीय नीति एवं बजट प्रावधानों पर अपने विचार रखे। परिचर्चा में एम.ए. अंतिम वर्ष के विद्यार्थी भूमिका शर्मा, टीना भावसार, राजेश्वरी डांगी, विकास पाटीदार और मधुसूदन परमार ने सक्रिय भागीदारी की।

माकड़ौन के विद्यार्थियों ने किया जल शोधन संयंत्र का शैक्षणिक भ्रमण

उज्जैन । नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी की उज्जैन इकाई द्वारा शासकीय माध्यमिक विद्यालय, नयापुरा माकड़ौन के विद्यार्थियों को जल शोधन संयंत्र का शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को स्वच्छ जल के महत्व के साथ-साथ जल शोधन की संपूर्ण प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी गई।

भ्रमण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा बताया गया कि किस प्रकार कच्चे जल को तकनीकी प्रक्रिया से शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल तैयार किया जाता है। विद्यार्थियों ने पूरे संयंत्र को नज़दीक से देखा और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया।

इस शैक्षणिक भ्रमण का समन्वय उप यंत्री शीला दांगी एवं सामुदायिक विकास अधिकारी रश्मि तिवारी द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि माकड़ौन नगर में 2.0 एमएलडी क्षमता के जल शोधन संयंत्र के माध्यम से जल को शोधित कर लगभग 2700 घरों तक हर घर नल से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। यह पहल न केवल नागरिकों को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण है बल्कि विद्यार्थियों में जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी बढ़ा रही है।

एमपी बोर्ड परीक्षा शुरू, केंद्रों के बाहर पुलिस का पहरा

उज्जैन में 12वीं के पहले पेपर में 16 हजार से ज्यादा विद्यार्थी शामिल, हर कक्ष में लगे मोबाइल जैमर

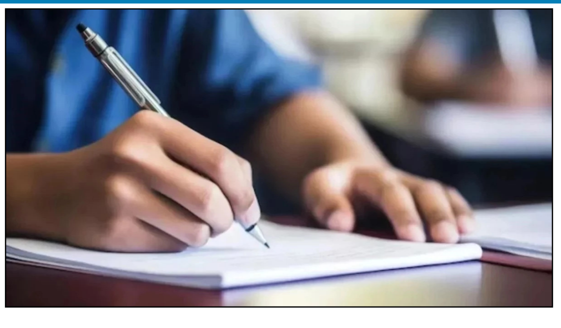

दैनिक दिव्य संवाद/ उज्जैन। माध्यमिक शिक्षा मंडल की हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा मंगलवार से जिले में शुरू हो गई। पहले दिन कक्षा 12वीं का पहला प्रश्नपत्र हुआ, जिसमें 16 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा को नकलमुक्त और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए थे। सभी परीक्षा केंद्रों के बाहर पुलिस बल तैनात रहा, वहीं केंद्रों के भीतर भी सख्त निगरानी रखी गई।

इस बार बोर्ड परीक्षा में पहली बार नई व्यवस्था लागू की गई है। जिले के सभी परीक्षा केंद्रों के प्रत्येक परीक्षा कक्ष में मोबाइल जैमर लगाए गए हैं। इससे परीक्षा के दौरान न तो मोबाइल पर बातचीत संभव होगी और न ही इंटरनेट का उपयोग किया जा सकेगा। इस कदम से नकल पर प्रभावी रोक लगाने की उम्मीद की जा रही है।

उज्जैन जिले में इस वर्ष कुल 40 हजार 234 परीक्षार्थी बोर्ड परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। इनमें कक्षा 12वीं के 16 हजार 463 विद्यार्थी हैं, जबकि कक्षा 10वीं के 23 हजार 710 छात्र-छात्राएं परीक्षा देंगे। दोनों ही कक्षाओं की परीक्षाएं सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जा रही हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र खत्री ने बताया कि परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए सभी तैयारियां समय पर पूरी कर ली गई हैं। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जिले में 10 निरीक्षण दल गठित किए गए हैं, जो लगातार परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करेंगे। इसके साथ ही जिले के 10 अतिसंवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर अलग से प्रेक्षक नियुक्त किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि जिले के कुल 77 परीक्षा केंद्रों पर पुलिस विभाग द्वारा पुलिस गार्ड तैनात किए गए हैं, ताकि परीक्षा के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो। पहले दिन परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई और कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

चरक अस्पताल की सीवरेज समस्या का समाधान जल्द

57 लाख का वर्क ऑर्डर जारी, दो माह में बदबू से मिलेगी राहत

दैनिक दिव्य संवाद/ उज्जैन। संभागीय चरक अस्पताल में इलाज कराने पहुंचने वाले सैकड़ों मरीजों और उनके परिजनों को जल्द ही बदबू और गंदे पानी से राहत मिलने की उम्मीद है। अस्पताल के मुख्य गेट के पास लंबे समय से फैला ड्रेनेज का गंदा पानी अब इतिहास बनने जा रहा है। नगर निगम ने चरक अस्पताल परिसर में नई सीवरेज लाइन डालने के लिए 57 लाख रुपए का वर्क ऑर्डर जारी कर दिया है।

आगर रोड स्थित चरक भवन की सीवरेज व्यवस्था लंबे समय से चरमराई हुई थी। बताया जा रहा है कि अस्पताल भवन का निर्माण करने वाली ठेका कंपनी ने सीवरेज सिस्टम घटिया गुणवत्ता का लगाया था, जिसके चलते कुछ ही समय में लाइन खराब हो गई। इसके बावजूद संबंधित कंपनी पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई और पहले ही करोड़ों रुपए का भुगतान किया जा चुका है। इसका खामियाजा मरीजों और उनके परिजनों को भुगतना पड़ा।

नगर निगम द्वारा तैयार योजना के अनुसार चरक अस्पताल से निकलने वाली सीवरेज पाइपलाइन को क्षीरसागर होते हुए रामघाट की ओर जाने वाली मुख्य चैंबर लाइन से जोड़ा जाएगा। इससे गंदे पानी की निकासी सुचारु होगी और अस्पताल परिसर में जलभराव की स्थिति खत्म हो सकेगी। इस कार्य पर शासन की ओर से लगभग 57 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। यह पूरा काम नगर निगम के पीएचई विभाग की निगरानी में निजी ठेकेदार द्वारा कराया जाएगा। ठेकेदार ने काम की तैयारी शुरू कर दी है और परिसर में सीवरेज पाइप भी पहुंचने लगे हैं। जल्द ही खुदाई का कार्य शुरू होने की संभावना है। अधिकारियों का कहना है कि अगर काम तय समय पर चलता रहा तो आगामी दो माह में सीवरेज लाइन का काम पूरा कर लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि चरक भवन में जिला अस्पताल के शिफ्ट होने के बाद यहां मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। इसी दौरान अस्पताल परिसर में नए मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य भी शुरू हुआ। निर्माण के समय पुरानी सीवरेज लाइन क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे समस्या और गंभीर हो गई थी। अब पुरानी लाइन की मरम्मत के साथ-साथ नई लाइन डाले जाने का रास्ता साफ हो गया है।

चरक अस्पताल सीवरेज समस्या, एक नजर में

-मुख्य गेट के पास फैला रहता था बदबूदार गंदा पानी

-57 लाख रुपए की लागत से डाली जाएगी नई सीवरेज लाइन

-क्षीरसागर होते हुए रामघाट की मुख्य लाइन से जोड़ा जाएगा कनेक्शन

-नगर निगम पीएचई विभाग की निगरानी में होगा काम

-दो माह में काम पूरा होने की संभावना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज जिले को 1166.61 करोड़ रुपए के विभिन्न निर्माण कार्यों की सौगात देंगे

उज्जैन । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार 11 फरवरी को कुल 1166.61 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात जिले को देंगे। इनमें 1162.60 करोड़ रुपए की लागत से 06 कार्यों का भूमिपूजन और 04.01 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित नगर निगम के 03 कार्यों का लोकार्पण भी करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 11 फरवरी को उज्जैन में प्रस्तावित कार्यक्रमानुसार दोपहर 12 बजे हरियाखेडी में नगर निगम की 1133.67 करोड़ रुपए की लागत की हरियाखेडी जलप्रदाय योजना का भूमिपूजन करेंगे। इसके पश्चात दोपहर 01 बजे कालिदास संस्कृत अकादमी में 16 डोर टू डोर कचरा गाड़ी एवं 5 अन्य वाहनों का लोकार्पण लागत 2.36 करोड़ रुपए, नवीन वायरलेस हेंडसेट लोकार्पण 0.75 करोड़ रुपए, रामघाट छोटा पुल पेयजल लाईन शिफ्टिंग कार्य का भूमिपूजन लागत 6.12 करोड़ रुपए, एनिमल कारकस प्लांट सी.एन.जी से संचालित का भूमिपूजन लागत 2.49 करोड़ रुपए, नगर वन क्षिप्रा विहार का लोकार्पण लागत 0.90 करोड़ रुपए, स्मार्ट सिटी के माध्यम से स्केटिंग रिंग का भूमिपूजन लागत 1.32 करोड़ रुपए, स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से भैरवगढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भूमिपूजन लागत 03 करोड़ रुपए और जीवाजीगंज सिविल अस्पताल का भूमिपूजन लागत 16 करोड रुपए के कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण कर आमसभा को संबोधित करेंगे।

नंबर-1 शहर में कचरा संकट, गाड़ियां नहीं पहुंच रहीं समय पर

ठेका खत्म, नई व्यवस्था अधर में, सफाई को लेकर नगर निगम की व्यवस्था चरमराई

दैनिक दिव्य संवाद/ उज्जैन। स्वच्छता में देशभर में नंबर-1 का तमगा हासिल करने वाला उज्जैन इन दिनों कचरा उठाने की अव्यवस्था से जूझ रहा है। करीब 10 लाख की आबादी वाले शहर में कई वार्डों में कचरा गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच रहीं, जिससे सड़कों और गलियों में कचरे के ढेर दिखाई देने लगे हैं। इससे न सिर्फ आमजन को परेशानी हो रही है, बल्कि शहर की स्वच्छ छवि पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

नगर निगम द्वारा जब से सॉलिड वेस्ट कलेक्शन का ठेका निजी कंपनी को दिया गया, तभी से कचरा उठाने की व्यवस्था लड़खड़ाती नजर आ रही है। ठेका मैन्युअल में साफ निर्देश हैं कि हर कचरा गाड़ी में ड्राइवर के साथ दो कर्मचारी रहेंगे, जो छोटी गलियों में आवाज लगाकर घर-घर से कचरा उठाएंगे और सूखा व गीला कचरा अलग-अलग गाड़ियों में डालेंगे। लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट है।

न तो कर्मचारियों की संख्या पूरी है और न ही कचरे का पृथक्करण हो पा रहा है। स्थिति यह है कि सॉलिड वेस्ट कंपनी का ठेका खत्म हुए कई महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक नया ठेका नहीं दिया गया है। बीच में यह जिम्मेदारी एक आउटसोर्स कंपनी को सौंपी गई, जो अपेक्षित ढंग से काम नहीं कर सकी।

इसके चलते नगर निगम आयुक्त को लगातार शिकायतें मिलती रहीं।शिकायतों के बाद नगर निगम ने बड़ा फैसला लेते हुए 150 आउटसोर्स कर्मचारियों को हटाकर उनकी जगह स्थायी सफाई कर्मियों को तैनात कर दिया। यह नई व्यवस्था सोमवार से लागू की गई, लेकिन इसके बावजूद हालात में कोई खास सुधार नजर नहीं आया। मंगलवार को भी कई इलाकों में कचरा समय पर नहीं उठ पाया।

सूत्रों के अनुसार नए ठेके से जुड़ी फाइल अभी भी निगम आयुक्त के पास लंबित है और उस पर अंतिम निर्णय नहीं हो पाया है। जब तक नई व्यवस्था स्पष्ट नहीं होती, तब तक शहर की सफाई व्यवस्था पर अनिश्चितता बनी रहेगी। ऐसे में स्वच्छता में अव्वल रहे उज्जैन की पहचान को बनाए रखना नगर निगम के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में ए. आई. के सुरक्षित उपयोग पर कार्यशाला संपन्न

उज्जैन । इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र (एन.आई.सी) जिला इकाई द्वारा शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सेफर इंटरनेट डे 2026 के अवसर पर ÷स्मार्ट टेक, सेफ चॉइसेस - एक्सप्लोरिंग द सेफ एंड रिस्पॉन्सिबल यूज़ ऑफ ए. आई.÷ विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य महाविद्यालय की छात्राओं एवं स्टाफ को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सुरक्षित, जिम्मेदार एवं नैतिक उपयोग के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रशांत पुराणिक ने की। उन्होंने उद्बोधन में कहा कि ए. आई. आज के युग की आवश्यकता है, किंतु इसका विवेकपूर्ण उपयोग ही समाज को सकारात्मक दिशा दे सकता है।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता सुश्री सुचिता श्रीवास्तव (वैज्ञानिक ÷ई÷, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, एन. आई. सी. उज्जैन) ने ए. आई. के सुरक्षित उपयोग, साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता तथा डिजिटल जिम्मेदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही श्री विवेक माहवार (वैज्ञानिक ÷सी÷, अतिरिक्त जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, एन. आई. सी.) ने ए. आई. के व्यावहारिक पक्षों एवं इसके सामाजिक प्रभावों पर उपयोगी जानकारी साझा की।

इस अवसर पर शासकीय प्रशासनिक अधिकारी डॉ. रश्मि भार्गव की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मंगलेश्वर ठाकरे के कुशल मार्गदर्शन में आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विक्रांत शाह ने किया। आयोजन समिति के सदस्य डॉ. रेखा शाहपुरकर, श्री दीपक नामदेव, श्री सईद पटेल, श्री विकास प्रजापति, श्री रमेश पटेल एवं श्री विवेक दुबे ने भी आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज उज्जैन में पहली बार आयोजित श्री महाकाल वन मेले का शुभारंभ करेंगे

उज्जैन । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज 11 फरवरी को उज्जैन में पहली बार आयोजित श्री महाकाल वन मेले का शुभारंभ करेंगे। प्रस्तावित कार्यक्रमानुसार मुख्यमंत्री डॉ. यादव सांय 04 बजे दशहरा मैदान में आयोजित श्री महाकाल वन मेले का शुभारंभ करेंगे। मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित एवं मध्यप्रदेश शासन, वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वन मेला, उज्जैन- 2026 का भव्य आयोजन 11 से 16 फरवरी, 2026 (6 दिवसीय) तक दशहरा मैदान में किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ, अकाष्ठीय वनोपज के सतत उपयोग के माध्यम से वन-आधारित समुदायों की आजीविका को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। वन मेला देश एवं प्रदेश की समृद्ध हर्बल संपदा के प्रदर्शन का एक उत्कृष्ट मंच है, जहां अकाष्ठीय वनोपज मूल्य श्रृंखला को बढ़ावा देने के साथ अकाष्ठीय वनोपज आधारित उद्यमिता को प्रोत्साहित किया जाता है।

यह आयोजन मध्यप्रदेश के वनवासियों द्वारा एकत्रित अकाष्ठीय वनोपज के प्रदर्शन, संरक्षण, प्रसंस्करण और विपणन के प्रयासों को प्रदर्शित करता है। यह राज्य की समृद्ध जैव विविधता, पारंपरिक वन समुदायों के ज्ञान और सतत आजीविका में उनके योगदान को एक जीवंत मंच प्रदान करता है।

वन मेले का विषय समृद्ध वन, खुशहाल जन- Prosperous Forest-Happy People, रखा गया है। मेले का विषय प्रकृति, लोगों और समृद्धि के बीच के गहरे संबंध को दर्शाता है। इस विश्वास के साथ कि स्वस्थ वन, स्वस्थ जीवन को बनाए रखते हैं। यह आयोजन वनवासियों, हर्बल उद्यमियों, शोधकर्ताओं और नीति-निर्माताओं के लिए कड़ी के रूप में कार्य करेगा। साथ ही इस क्षेत्र में उनके अनुभवों और नवाचारों के आदान-प्रदान के लिए एक साझा मंच प्रदान करेगा।भारत की हर्बल हृदयभूमि÷ के रूप में मध्य प्रदेश की विरासत को दर्शाते हुए यह मेला दिखाएगा कि कैसे वन न केवल आजीविका का स्रोत हैं बल्कि जीवन जीने का एक तरीका भी हैं, जो लोगों की संस्कृति और अर्थ व्यवस्था से जुड़े हुए हैं।

इस मेले में वन-आधारित उद्यमों, जिला वनोपज सहकारी यूनियनों, प्राथमिक लघु वनोपज समितियों, वन धन केंद्रों और स्व-सहायता समूहों द्वारा हर्बल और वन-उत्पादों की विविध श्रृंखला का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही इस आयोजन में प्रमुख हर्बल उद्योगों, अनुसंधान संस्थानों और प्राकृतिक संसाधन क्षेत्र में कार्यरत संगठनों की भागीदारी देखने को मिलेगी। मेले में दैनिक रुप से ज्ञानवर्धक, मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम, पारंपरिक व्यंजन और लोक कलाएं प्रस्तुत की जाएंगी जो मध्य प्रदेश की समृद्ध वन विरासत और संस्कृति की पहचान हैं।

मां नर्मदा परिक्रमा पूर्ण कर बंशीलाल राठौर का किया भव्य अभिनंदन स्वागत

बंशीलाल राठौर पूर्व उपाध्यक्ष जिला पंचायत उज्जैन और मानसिंह मीणा द्वारा मां नर्मदा नदी की 4000 किलोमीटर की परिक्रमा (पदयात्रा) 108 दिन में पूर्ण कर अपने गांव मुंजाखेड़ी आने पर रमेश चंद्र सूर्यवंशी दताना पूर्व प्रधानाध्यापक एक परिसर एक शाला शा.मा.वि. मुंजाखेड़ी,संजय वर्मा जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि, धर्मेन्द्र बागेला एडवोकेट पूर्व कार्यकारिणी सदस्य अभिभाषक मंडल संघ उज्जैन, विवेक वर्मा, आर्यन बागेला आदि ने साफा बांध कर व पुष्प माला पहनाकर आत्मिय भव्य स्वागत सम्मान कर बहुत बहुत बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं देकर प्रार्थना की कि मां नर्मदा का आशीर्वाद आप पर सदा बना रहे,इस अवसर पर डॉ अशोक राठौर, राजाराम कुमावत, अशोक परमार, अजय परमार, अनिल राठौर, कैलाश जी,आदि उपस्थित थे ।

श्री बंशीलाल राठौर जी ने अपनी यात्रा का अनुभव बताते हुए कहा कि मां नर्मदा की परिक्रमा त्याग तपस्या और आत्म शुद्धि की सर्वोच्च यात्रा है जो अंहकार को नष्ट कर ,हर कंकर शंकर के भाव के साथ शिवत्व से जोड़ती है, इस परिक्रमा को करने से आत्म ज्ञान और परमात्मा से साक्षात्कार का अवसर मिलता है, सहनशीलता बढ़कर धैर्य विकसित होता है,यह यात्रा जीवंत भारतीय संस्कृति, नर्मदा के तटों, जंगलों और पहाड़ों के दर्शन कराती है ,यह अपने आप में जीवन को सुधारने व सात्विक जीवन की ओर प्रेरित करने वाली अनूठी यात्रा है।

11वें नि :शुल्क शिविर में 403 लोगों को मिली रोशनी

उज्जैन। सामाजिक संस्था 'नई पहल नई सोच' द्वारा आयोजित 11वें निशुल्क चश्मा वितरण कैंप का समापन हुआ। सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक चले इस शिविर में कुल 403 चश्मे वितरित किए गए।

कैंप का उद्घाटन पूर्व विधायक पारस जैन और पूर्व कांग्रेस शहर अध्यक्ष अनंत नारायण मीणा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पारस जैन ने कहा कि कई वर्षों से मैं संस्था के आयोजनों में आ रहा हूं। यह देखकर अच्छा लगता है कि सामाजिक संस्था लोगों का इस तरीके से ख्याल रखती है। मैं हर समय आप लोगों के साथ खड़ा हूं।

विशेष अतिथि अनंत नारायण मीणा ने कहा कि आपका कैंप बहुत ही सराहनीय कार्य कर रहा है। समाज के कमजोर वर्गों के लिए जो यह निशुल्क आंखों की जांच और चश्मा वितरण किया जा रहा है, इसके लिए संस्था धन्यवाद की पात्र है।

प्रभारी प्राचार्य के समर्थन में शिक्षकों व ग्रामीणों ने दिया पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन

उज्जैन। माकड़ोन थाना क्षेत्र अंतर्गत शासकीय ईपीएस हाईस्कूल परसोली, विकासखण्ड तराना, जिला उज्जैन में प्रभारी प्राचार्य एवं एक अतिथि शिक्षक के बीच हुए विवाद के बाद प्रभारी प्राचार्य के विरुद्ध पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज किए जाने के विरोध में शिक्षकों एवं ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। जगदीश परमार एवं जगन्नाथ बागड़ी ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने बिना समुचित जांच किए एकतरफा कार्रवाई की, जो कि अनुचित है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा संबंधित अतिथि शिक्षक के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। प्रभारी प्राचार्य द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार, ग्राम परसोली के अतिथि शिक्षक दिलीप शर्मा ने 7 फरवरी 2026 को विद्यालय परिसर में अपना जन्मदिन मनाया। इस दौरान कक्षा 10वीं में छात्राओं के साथ अश्लील गीतों पर नृत्य कराया गया, जिसमें कुछ असामाजिक तत्व भी शामिल थे। इस पर प्रभारी प्राचार्य ने हस्तक्षेप करते हुए कार्यक्रम रुकवाया और कक्षा में ताला लगवाया, जिसकी एक चाबी शिक्षक जगदीश गोस्वामी को तथा एक स्वयं अपने पास रखी।आवेदन में आगे उल्लेख है कि इस घटना के बाद 7 फरवरी 2026 को दिलीप शर्मा द्वारा प्रभारी प्राचार्य को धमकी दी गई कि यह कार्य उन्हें महंगा पड़ेगा। धमकी के समय विद्यालय के अन्य शिक्षक भी मौजूद थे।प्रभारी प्राचार्य के अनुसार, 9 फरवरी 2026 को सुबह करीब 10 बजे विद्यालय में बोर्ड परीक्षा से संबंधित कार्य चल रहा था।

इसी दौरान अतिथि शिक्षक दिलीप शर्मा अपने साथ 50-60 लोगों की भीड़ लेकर विद्यालय पहुंचे और उन पर जानलेवा हमला किया। आरोप है कि इस दौरान जातिगत शब्दों का प्रयोग किया गया, जो अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के अंतर्गत आता है। बताया गया कि हमले से बचने के लिए प्रभारी प्राचार्य ने विद्यालय के भीतर स्वयं को बंद कर लिया, जिसके बाद दरवाजे व खिड़कियों में तोड़फोड़ की गई तथा उनकी मोटरसाइकिल को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया।प्रभारी प्राचार्य का आरोप है कि 112 पर कॉल करने के बाद पुलिस उन्हें अभिरक्षा में थाना माकड़ोन ले गई, जहां दबाव बनाकर उनके विरुद्ध एकतरफा एफआईआर दर्ज कर ली गई। वहीं, दूसरी ओर उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। घटना के दौरान बाबूलाल मालवीय द्वारा वीडियो रिकॉर्डिंग किए जाने का भी दावा किया गया है, जिसे जबरन डिलीट कर मोबाइल तोड़ने और उनके साथ मारपीट करने का आरोप है। इस घटनाक्रम के गवाह बाबूलाल मालवीय एवं बद्रीलाल गुजराती बताए गए हैं। अंत में प्रभारी प्राचार्य ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि अतिथि शिक्षक दिलीप शर्मा, कमल शर्मा (रोजगार सहायक), संजय शर्मा एवं विक्रम शर्मा के विरुद्ध अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर उचित कार्रवाई की जाए। इस दौरान संजय परमार, सुरेंद्र सिंह यादव, हीरालाल पवार, सरवन चौहान, करण परमार, रविंद्र बागड़ी, हेम सिंह बागरी, रामनारायण परमार, जगदीश पवार, राकेश पवार, रतनलाल परमार, रमेशचंद्र गुजराती, सिद्धनाथ परमार, नारायण सिंह यादव, जितेंद्र परमार, भरत सिंह सोलंकी, राजेश चौहान, मोहनलाल बागड़ी, किशन परमार, बलराम परमार, नागूराम बागरी एवं राधेश्याम परमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

शासकीय प्राथमिक विद्यालय चकरावदा में वार्षिक उत्सव एवं विदाई समारोह आयोजित

उज्जैन। शासकीय प्राथमिक विद्यालय चकरावदा में वार्षिक उत्सव एवं विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय में वर्ष भर में आयोजित गतिविधियों में भाग लेने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया।

मंगलवार को शासकीय प्राथमिक विद्यालय चकरावदा में वार्षिक उत्सव एवं विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बी.आर.सी. सुभाष सुनिया, विशेष अतिथि बी.एस.सी. अमृत केलकर, जनशिक्षक खुशबू पंवार, दिनेश शास्त्री, सचिन बैरागी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी शहजाद खान ने की।

सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। स्वागत भाषण में शहजाद खान ने कहा कि विदा हो रहे छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि विदाई किसी विश्राम की नहीं, बल्कि नई सफल यात्रा की शुरुआत है। मुख्य अतिथि डॉ. सुभाष सुनिया ने कहा कि घट्टिया जनपद शिक्षा केंद्र से 5वीं, 8वीं में जो भी छात्र प्रथम आएगा, उस छात्र से ध्वजारोहण कराया जावेगा। विशेष अतिथि अमृत केलकर, दिनेश शास्त्री, खुशबू पंवार, सचिन बैरागी ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। अतिथियों ने वर्ष भर गतिविधियों में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर प्रभारी प्राचार्य योगेश शर्मा, उषा शर्मा, अंजय शर्मा, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पालक मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन उषा शर्मा ने किया। आभार अजय शर्मा ने माना।

जश्न-ए-हिंदुस्तान ऑल इंडिया मुशायरा संपन्न

उज्जैन। साहित्यिक संस्था बज़्म हलक़ा-ए-फ़िक्र-ओ-फ़न की जानिब से जामा मस्जिद कम्यूनिटी हॉल में आयोजित जश्न-ए-हिंदुस्तान ऑल इंडिया मुशायरा कामयाबी की एक नई तारीख़ लिख गया। 11 शायरों की सीमित फेहरिस्त के बावजूद यह मुशायरा सैकड़ों श्रोताओं की मौजूदगी में पहले शायर से आख़िरी शायर तक समान दाद, तालियों की गड़गड़ाहट और श्रोताओं के जोश के साथ अपने शबाब पर रहा। मुशायरे की निज़ामत जबलपुर से तशरीफ़ लाए मशहूर नाज़िम-ए-मुशायरा मन्नान फ़राज़ ने की। कार्यक्रम की शुरुआत आलमी शोहरतयाफ़्ता शायर डॉ. माजिद देवबंदी ने अपने मुतरन्निम लहजे में नात-ए-पाक के अशआर से की। यहीं से श्रोताओं को अहसास हो गया था कि यह मुशायरा यक़ीनन यादगार साबित होगा।नात-ए-पाक के बाद नाज़िम-ए-मुशायरा ने बज़्म के सरपरस्त-ए-आला सैय्यद आबिद अली मीर की नज़्र चार मिसरे पेश किए जश्ने हिंदोस्तां की मस्ती हो, और सबकी नुमायां हस्ती हो, ऐसी महफ़िल का यार क्या कहना।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत उज्जैन जिले के 751 तीर्थ यात्री अयोध्या के लिए रवाना

उज्जैन । धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना अंतर्गत मंगलवार को जिले के ग्रामीण एवं नगरीय निकायों के 751 तीर्थ यात्रियों को लेकर विशेष ट्रेन उज्जैन रेलवे स्टेशन से रवाना हुई।

जिले के समाजसेवी, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने हरी झंडी दिखा कर ट्रेन को रवाना किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कूमट, एमआईसी सदस्य श्री जितेंद्र कुवाल, उपायुक्त नगर निगम श्री मनोज मौर्य, श्री अंतरसिंह देवड़ा, श्री महेंद्र सिंह सोलंकी, श्री उमेश सेंगर ने दीप प्रज्ज्वलन किया। सभी तीर्थ यात्रियों का पुष्पहारों से स्वागत कर सफल यात्रा की शुभकामनाएं प्रेषित की। सामाजिक न्याय विभाग के कलाकारों द्वारा यात्रियों के समक्ष सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में डमरू वादक दल आकर्षण का केंद्र रहा। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत आईआरसीटीसी द्वारा यात्रियों के भ्रमण, भोजन, निवास आदि की व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रम का संचालन श्री शैलेन्द्र भट्ट ने किया। आभार नोडल अधिकारी श्री सतीश कुमार सोलंकी ने माना।

अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों ने बजट 2026 की बारीकियों पर की चर्चा, बताया विकसित भारत का आधार

उज्जैन। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय माधव महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में 'बजट 2026: विकसित भारत की ओर एक कदम' विषय पर विशेष परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभाग के विद्यार्थियों ने न केवल बजट निर्माण की प्रक्रिया को समझाया, बल्कि बजट के आय-व्यय के गणित और विभिन्न प्रावधानों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. कल्पना वीरेंद्र सिंह ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने बजट 2026 को विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने और धारणीय विकास की दिशा में एक सफल प्रयास बताया। उन्होंने इस बात पर विशेष हर्ष व्यक्त किया कि भावी अर्थशास्त्रियों (विद्यार्थियों) ने स्वयं इस परिचर्चा का आयोजन किया और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

विशेषज्ञों ने समझाये प्रावधान- अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता दुबे ने विद्यार्थियों को बजट के तकनीकी प्रावधानों से अवगत कराया। डॉ. दिनेश जोशी ने बजट में स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र के लिए किए गए विशेष प्रावधानों को रेखांकित किया। वहीं, डॉ. ममता पवार ने बजट 2026 में हुए नवीन बदलावों की जानकारी दी और प्रो. कंचन ससाने ने राजकोषीय नीति एवं बजट प्रावधानों पर अपने विचार रखे।

विद्यार्थियों ने दी प्रभावी प्रस्तुति- परिचर्चा में एम.ए. अंतिम वर्ष के विद्यार्थी भूमिका शर्मा, टीना भावसार, राजेश्वरी डांगी, विकास पाटीदार और मधुसूदन परमार ने सक्रिय भागीदारी की। भूमिका शर्मा और विकास पाटीदार ने बजट के जटिल आंकड़ों और प्रावधानों को बेहद सरल और सुंदर तरीके से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एम.ए. अंतिम वर्ष के छात्र विकास पाटीदार ने किया और आभार राजेश्वरी डांगी ने माना।

विज्ञान लोकतांत्रिक प्रणाली में विश्वास करता है-प्रो. ब्रजेश पारे

उज्जैन। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय माधव महाविद्यालय में ग्लोबल वूमन ब्रेकफास्ट-2026 दिवस के अवसर पर एक विशेष संगोष्ठी (सिंपोजियम) का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विज्ञान के लोकतांत्रिक स्वरूप और महिला वैज्ञानिकों की भूमिका पर गहन चर्चा हुई।

मुख्य वक्ता शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष और प्रख्यात रसायन शास्त्री प्रो. ब्रजेश पारे ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि, ÷विज्ञान लोकतांत्रिक प्रणाली में विश्वास करता है। प्रयोगशाला में सब लोग अलग-अलग काम करते हैं, लेकिन सबका उद्देश्य समान होता है। आपसी संवाद और समन्वय से कार्य किया जाता है। विज्ञान इसलिए प्रगति कर रहा है क्योंकि इसमें विभिन्न आवाजों को महत्व दिया जाता है और सब लोग मानवता के कल्याण के लिए मिलकर काम करते हैं।÷

प्राचार्या प्रो. कल्पना वीरेंद्र सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन में ग्लोबल वूमन ब्रेकफास्ट की संकल्पना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसकी शुरुआत एक कॉफी हाउस में 7 महिला वैज्ञानिकों द्वारा की गई थी। उन्होंने कहा कि हमें इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए और विज्ञान के संबंध में विश्व भर से जो आवाजें आ रही हैं, उन पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि समस्याओं का समाधान करने के लिए पुरुष और महिला वैज्ञानिकों को मिलकर कार्य करना चाहिए।

रसायन विज्ञान विषय की विदुषी डॉ. प्रेरणा मनाना ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि विकास विनाश की कीमत पर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वूमन ब्रेकफास्ट धारणीय विकास (ैनेजंपदंइसम क्मअमसवचउमदज) के लक्ष्य को सामने रखकर कार्य कर रहा है और रसायन विज्ञान ने कोविड के दौर में तथा फसल की उपज बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहायता की है।

सहायक प्राध्यापक डॉ. सरबजोत कौर ने कहा कि आज दुनिया भर के वैज्ञानिक इस बात के लिए जुड़े हैं कि विज्ञान का मानवता के लिए उपयोग कैसे करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशानुरूप दिव्यांग युवाओं को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने एवं समावेशी विकास के लिए दिव्यांग छात्र-छात्राओं के प्लेसमेंट का आयोजन किया गया - प्राचार्य आईटीआई श्री मिश्रा

उज्जैन । शासकीय आईटीआई मक्सी रोड प्राचार्य श्री विवेक मिश्रा ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप दिव्यांग युवाओं को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने एवं समावेशी विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए संस्था द्वारा सार्थक प्रयास किए जा रहे है। इसी तारतम्य में शासकीय आईटीआई मक्सी रोड में दिव्यांग श्रवण बाधित छात्र-छात्राओं के लिए डॉक्टर रेड्डी स फाऊंडेशन के साथ विभिन्न कंपनियों फ्लिपकार्ट, डी मार्ट, द काफी कॉन्सेप्ट, अथा रेस्टोरेंट, मेपल हॉस्पिटल, राज वर्क इंडस्ट्री जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में लॉजिस्टिक, रिटेल, हॉस्पिटैलिटी, मैन्युफैक्चरिंग और हेल्थ केयर जैसे आधुनिक क्षेत्र में रोजगार के लिए प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की गई। प्लेसमेंट ड्राइव में 50 श्रवण बाधित दिव्यांग छात्र-छात्राओं द्वारा भाग लिया गया तथा 22 छात्र-छात्राओं का अगले राउंड के लिए चयन किया गया।

कैंपस ड्राइव प्लेसमेंट अधिकारी श्रीमती मनीषा अरोड़ा एवं प्रशिक्षण अधिकारी श्रीमती रीना गुप्ता माथुर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

संपादकीय

आईबी, सीबीएसई या आईसीएसई - कौन सा स्कूल बोर्ड आपके बच्चे के भविष्य को बेहतर ढंग से आकार दे सकता है और उनमें से कैसे चुनें?

आईबी एक व्यापक, विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त शिक्षा प्रदान करता है, सीबीएसई एक ठोस शैक्षणिक आधार प्रदान करता है और आईसीएसई रचनात्मकता और विश्लेषणात्मक सोच का पोषण करता है। आईबी, सीबीएसई या आईसीएसई - कौन सा स्कूल बोर्ड आपके बच्चे के भविष्य को बेहतर ढंग से आकार दे सकता है और उनमें से कैसे चुनें? आईबी का पूछताछ-आधारित मॉडल महत्वपूर्ण सोच और वैश्विक जागरूकता को बढ़ावा देता है, जबकि सीबीएसई का संरचित दृष्टिकोण छात्रों को पारंपरिक शैक्षणिक मार्गों के लिए तैयार करता है। (छवि गेटी) अपने बच्चे के लिए सही शैक्षिक बोर्ड का चयन करना एक महत्वपूर्ण उपक्रम है जिसमें सावधानीपूर्वक विचार करना शामिल है। भारत में, माता-पिता आम तौर पर तीन प्रमुख विकल्पों पर विचार करते हैं: अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्नातक (आईबी), सीबीएसई (केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड), और आईसीएसई (भारतीय माध्यमिक शिक्षा प्रमाणपत्र)। प्रत्येक बोर्ड विविध छात्र आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए अद्वितीय शैक्षिक दर्शन, शिक्षण विधियों और दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। आइए इन बोर्डों के प्रत्येक पहलू की खोज करें- अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्नातक (आईबी) 1968 में जिनेवा में स्थापित, इंटरनेशनल बैकलॉरिएट (आईबी) भारतीय परिवारों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो गया है। वर्तमान में, भारत में लगभग 210 आईबी वर्ल्ड स्कूल हैं, जो मुख्य रूप से नई दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और बैंगलोर जैसे प्रमुख शहरों में स्थित हैं। यह वृद्धि विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त शिक्षा की बढ़ती मांग को इंगित करती है जो छात्रों को एक जुड़ी हुई दुनिया के लिए तैयार करती है। आईबी स्कूल स्थित प्रिंसिपल ने इस बात पर जोर दिया कि आईबी एक पूछताछ-आधारित पद्धति पर ध्यान केंद्रित करती है जो छात्रों को केवल तथ्यों को याद रखने के बजाय अवधारणाओं के साथ गंभीर रूप से जुड़ने के लिए प्रेरित करती है। यह दृष्टिकोण रचनात्मकता, मूल्यांकन और सहयोग जैसे महत्वपूर्ण कौशल को बढ़ावा देता है, जिनकी दुनिया भर में नियोक्ताओं द्वारा अत्यधिक मांग की जाती है। ÷आईबी की जांच-आधारित पद्धति तथ्यों को दोबारा पेश करने के बजाय अवधारणाओं को समझने और जोड़ने पर केंद्रित है।

अंतराष्ट्रीय स्तर पर नियोक्ता ऊपर बताए गए कई कारणों से आईबी का समर्थन करते हैं, लेकिन अंततः पाठ्यक्रम की परवाह किए बिना, सभी नियोक्ता उद्यमशीलता की मानसिकता, संक्रामक ऊर्जा, सहयोग करने की इच्छा और दुनिया में जहां भी रहें वहां पनपने की इच्छा वाले युवाओं की तलाश करेंगे। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) 1929 में स्थापित, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) भारत सरकार के तत्वावधान में संचालित होता है और यह देश के सबसे मान्यता प्राप्त शैक्षिक बोर्डों में से एक बन गया है। भारत में 24,000 से अधिक संबद्ध स्कूलों और विदेशों में लगभग 240 स्कूलों के साथ, सीबीएसई का व्यापक नेटवर्क इसे कई परिवारों के लिए एक व्यावहारिक विकल्प बनाता है। सीबीएसई पाठ्यक्रम गणित, विज्ञान और सामाजिक अध्ययन जैसे मुख्य विषयों पर जोर देता है, जो इंजीनियरिंग या चिकित्सा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रवेश करने के इच्छुक छात्रों के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसके अतिरिक्त, मानकीकृत परीक्षण पर बोर्ड का ध्यान छात्रों को जेईई और एनईईटी सहित राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। नई दिल्ली के प्रिंसिपल का मानना है कि सीबीएसई पाठ्यक्रम छात्रों के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करने, उन्हें प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करने पर केंद्रित है। कई माता-पिता आईबी को विश्व स्तर पर जागरूक व्यक्तियों को विकसित करने की क्षमता के कारण पसंद करते हैं। अंततः, सीबीएसई और आईबी के बीच चयन इस बात पर निर्भर करता है कि माता-पिता राष्ट्रीय परीक्षा तैयारी या वैश्विक तैयारी को प्राथमिकता देते हैं या नहीं। ÷सीबीएसई द्वारा नियोजित मूल्यांकन तकनीक समग्र विकास, रचनात्मकता और विश्लेषणात्मक कौशल को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित करती है। बोर्ड की प्रतिबद्धताछात्र-केंद्रित शिक्षण माहौल को बढ़ावा देने से इसके छात्र भारत में विश्वविद्यालयों और नियोक्ताओं के लिए आकर्षक बनते हैं। भारतीय माध्यमिक शिक्षा प्रमाणपत्र (आईसीएसई) 1958 में स्थापित, इंडियन सर्टिफिकेट ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (आईसीएसई) अपने व्यापक और कठोर पाठ्यक्रम के लिए प्रसिद्ध है, जो शिक्षा के लिए समग्र दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है। भारत भर में लगभग 2,500 संबद्ध स्कूलों के साथ, मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में, आईसीएसई शैक्षिक अनुभव चाहने वाले परिवारों के लिए विशेष रूप से आकर्षक है जो रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देता है। आईसीएसई पाठ्यक्रम में विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जो छात्रों को अपनी पढ़ाई के साथ गहराई से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करती है। इसमें प्रोजेक्ट कार्य, व्यावहारिक मूल्यांकन और भाषाओं पर ज़ोर दिया गया है, जो इसे विभिन्न रुचियों वाले छात्रों, विशेषकर कला और मानविकी में, के लिए उपयुक्त बनाता है। स्कूल, मुंबई के प्रिंसिपल ने इस बात पर जोर दिया कि, आईसीएसई का शिक्षण दृष्टिकोण परियोजना-आधारित असाइनमेंट, व्यावहारिक अनुप्रयोगों और अनुभवात्मक शिक्षा को प्राथमिकता देता है, जो छात्रों को पाठ्यपुस्तकों से परे जाने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह सैद्धांतिक शिक्षा और परीक्षा की तैयारी पर सीबीएसई के जोर के विपरीत है। आईसीएसई छात्रों को अक्सर संपन्न व्यक्ति माना जाता है। जहां पाठ्यक्रम संरेखण के कारण सीबीएसई स्नातकों को भारतीय प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए पसंद किया जाता है।

वहीं आईसीएसई छात्रों को उनकी व्यापक शिक्षा और मजबूत भाषा दक्षता के कारण भारतीय और वैश्विक विश्वविद्यालयों दोनों के लिए बेहतर रूप से तैयार माना जाता है। नियोक्ता आईसीएसई स्नातकों को उनकी विश्लेषणात्मक क्षमताओं, टीम वर्क कौशल और प्रभावी संचार के लिए भी महत्व देते हैं।%% मुख्य अंतर और विकास प्रक्षेपवक्र चूंकि माता-पिता इन शैक्षिक विकल्पों का मूल्यांकन करते हैं, इसलिए शिक्षण पद्धतियों और पाठ्यक्रम फोकस में अंतर को समझना आवश्यक है। आईबी का पूछताछ-आधारित मॉडल महत्वपूर्ण सोच और वैश्विक जागरूकता को बढ़ावा देता है, जबकि सीबीएसई का संरचित दृष्टिकोण छात्रों को पारंपरिक शैक्षणिक मार्गों के लिए तैयार करता है। दूसरी ओर, आईसीएसई उन लोगों के लिए गहराई और रचनात्मकता पर जोर देता है जो अधिक विविध शैक्षिक वातावरण में फलते-फूलते हैं। आईबी÷ अंतरराष्ट्रीय शिक्षा की बढ़ती मांग के कारण हाल के वर्षों में आईबी में पर्याप्त वृद्धि देखी गई है। अधिक परिवार आईबी डिप्लोमा के मूल्य को पहचान रहे हैं, जो दुनिया भर के विश्वविद्यालयों के बीच सम्मान रखता है। सीबीएसई÷ सीबीएसई ने भारत में सबसे बड़े शैक्षिक बोर्ड के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखी है, जो लगातार अपने पाठ्यक्रम को विकसित शैक्षिक परिदृश्य के अनुरूप ढाल रहा है। स्कूलों का इसका विशाल नेटवर्क इसे देश भर के परिवारों के लिए एक विश्वसनीय विकल्प बनाता है। आईसीएसई÷ हालांकि आईसीएसई पैमाने में छोटा है, लेकिन समग्र शिक्षा और आलोचनात्मक सोच के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के कारण नामांकन में लगातार वृद्धि का अनुभव हुआ है, जो विशेष रूप से समृद्ध शैक्षिक अनुभव की तलाश में शहरी परिवारों को आकर्षित करता है।

हरित रसायन से हरित जीवन

हरित रसायन रसायन शास्त्र की एक ऐसी शाखा है, जिसमें रसायनों के निर्माण, उपयोग और निपटान के दौरान पर्यावरण के अनुकूल और सुरक्षित तरीकों का प्रयोग किया जाता है। इसका उद्देश्य रसायनों के उत्पादन और उपयोग से होने वाले पर्यावरणीय प्रभावों को कम करना है। हरित रसायन की अवधारणा पाल एंथनी ट्रो की थी। उन्होंने नब्बे के दशक में हरित रसायन के सिद्धांतों को विकसित किया और इसे व्यापक रूप से प्रस्तुत किया। उनके अनुसार, रसायनों के उत्पादन और उपयोग के तरीके, जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए कम से कम हानिकारक हों, हरित रसायन हैं।

पाल एंथनी ने हरित रसायन के बारह सिद्धांत भी प्रस्तुत किए। यह रसायन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक रसायनों के उपयोग को कम करता है, जिससे स्वास्थ्य सुरक्षा में मदद मिलती है। इससे एक नई जीवन शैली बन रही है। दरअसल, हरित रसायन संसाधनों की बचत करता है, क्योंकि इसमें रसायनों का न्यूनतम उपयोग किया जाता है। साथ ही ऊर्जा की बचत करता है, क्योंकि इसमें ऊर्जा कुशल प्रक्रियाओं का उपयोग किया जाता है। यह रसायन आर्थिक लाभ प्रदान करता है, क्योंकि इसमें रसायनों का न्यूनतम उपयोग किया जाता है, जिससे लागत कम होती है। यह भावी पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और स्वस्थ पर्यावरण बनाने में मदद करता है। इस रसायन की इसलिए आवश्यकता है कि हम पर्यावरण, स्वास्थ्य और संसाधनों की सुरक्षा कर सकें और एक बेहतर भविष्य की ओर बढ़ सकें।

हरित रसायन मृदा जीवन का संरक्षण करता है। यह रसायन मृदा प्रदूषण दूषण की रोकथाम करता है। वहीं यह ऊर्जा कुशल प्रक्रियाओं का उपयोग करता है, जिससे कम ऊर्जा की खपत होती है। खपत होती है। हरित रसायनों का उदाहरण हैं- जैविक उर्वरक, जैसे खाद और हरित खाद । जैविक कीटनाशक, जैसे कि नीम का तेल और डायटोमेसियस। इसी तरह हरित ईंधन का मतलब जैविक ईंधन, बायोगैस और हाइड्रोजन ईंधन। हरित धातु, जैसे तांबा, जस्ता और एल्युमिनियम, जो प्राकृतिक स्रोतों से प्राप्त किए जाते हैं। इन उदाहरणों से पता चलता है कि हरित रसायन का विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग किया जा सकता सकता है। ये पर्यावरण के अनुकूल हो सकते हैं।

जैविक खेती और हरित रसायन एक दूसरे के पूरक हैं और पर्यावरण अनुकूल खेती के लिए महत्त्वपूर्ण त्वपूर्ण हैं। जैविक खेती में रसायनों का उपयोग नहीं किया जाता है, बल्कि प्राकृतिक तरीकों से फसलों का उत्पादन किया जाता है। जैविक खेती और हरित रसायन से पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित होता हानिकारक रसायनों के उपयोग को कम करते हैं।

फसलों की गुणवत् और मिट्टी की उर्वरता में सुधार करते हैं। जल संरक्षण में मदद करते हैं। दूसरी ओर, हरित रसायन और उद्योगीकरण के बीच गहरा संबंध है। यह उद्योगीकरण को अधिक स्थायी और पर्यावरण के अनुकूल बनाने में मदद करता है। रसायनों के न्यूनतम उपयोग को बढ़ावा देता है, जिससे उद्योगों में रसायनों का उपयोग कम होता है। यह प्रदूषण नियंत्रण में मदद करता है।

नीतिगत समर्थन की कमी हरित रसायन के लिए दुश्मन है, क्योंकि यह इस रसायन के विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक नीतियों को लागू नहीं करती है। इसलिए हमें हरित रसायन के महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसके विकास को बढ़ावा देने के लिए काम करना चाहिए। हरित रसायन विज्ञान एक उत्पादन प्रक्रिया है, जो प्रदूषण में कमी लाती है। दैनिक जीवन में उपयोग के लिहाज से देखें तो हरित रसायन का उपयोग दैनिक जीवन में कपड़े की ड्राईक्लीनिंग और गंदे पानी को साफ करने के लिए भी किया जाता है। अब समय आ गया है

अनुकूल कि दोबारा इस्तेमाल में आने लायक सामग्री का लोग अधिक से अधिक उपयोग करें। जैविक खेती को बढ़ावा दें और जैविक उत्पादों का सेवन करें। ऊर्जा संचयन करने वाले उपकरणों का उपयोग करें। हरित भवन निर्माण को बढ़ावा दें और ऊर्जा कुशल भवनों में रहने का प्रयास करें। इन तरीकों से, एक आम आदमी हरित रसायन का उपयोग कर पर्यावरण बचाने में योगदान कर सकता है। हरित भवन के निर्माण में हरित रसायन का उपयोग किया जा सकता है, ताकि भवन पर्यावरण के हो और भवन के निवासियों के स्वास्थ्य पर भी अच्छा प्रभाव पड़े। हरित रसायन का उपयोग करके ऊर्जा दक्षता में भी सुधार किया जा सकता है, जैसे ऊर्जा- कुशल खिड़कियां और दरवाजे इस रसायन का उपयोग कर- के पानी की बचत भी की जा सकती है। इसी तरह हवा की गुणवत्ता में सुधार किया सकता है। इस तरह पर्यावरण के अनुकूल और भवन बनाए जा सकते हैं। हरित जीवन शैली एक ऐसी जीवन शैली है, जो पर्यावरण बनाए रखती है। इसमें व्यक्ति अपने दैनिक में पर्यावरण के अनुकूल निर्णय लेता है और स्थायी तरीकों से जीता है। जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए हमें जैविक उत्पादों का उपयोग करना होगा। कचरा प्रबंधन कर हम गंदगी को कम सकते हैं। हरित उत्पादों का उपयोग कर लोग हानिकारक रसायनों से बच सकते हैं। ईंधन से चलने वाले वाहनों की जगह यथासंभव साइकिल का उपयोग कर व्यक्ति एक हरित जीवन शैली जी सकता है और पर्यावरण की रक्षा योगदान कर सकता है। हरित जीवन शैली के लिए हरित रसायन एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। 7 हरित जीवन लिए हरित रसायन के? जीवन कुछ मुख्य अनुप्रयोग हैं।

इस रसायन का उपयोग करके स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों का विकास किया जा सकता है, जैसे स्वच्छ पेंट, स्वच्छ %डिटर्जेंट% और स्वच्छ %क्लीनिंग% उत्पाद । हरित रसायन का उपयोग कर पानी की बचत करने वाले उत्पादों का विकास किया जा सकता है, जैसे पानी के फिल्टर और पानी बचाने वाले नहाने के नलके । इस रसायन का उपयोग कर कचरा प्रबंधन करने वाले उत्पादों का भी विकास किया जा सकता है, जैसे कचरा पुनर्चक्रण उत्पाद इन अनुप्रयोगों के माध्यम से हरित जीवन शैली को बढ़ावा मिलता है और पर्यावरण की रक्षा भी होती है। हरित रसायनों की वैश्विक स्थिति और उपयोग व्यापक है। ग्रीन कंप्यूटिंग या ग्रीन आइटी, पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ कंप्यूटिंग या आइटी को संदर्भित करती है। इसके लक्ष्य हरित रसायन के समान हैं।

हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया का प्रभाव

सोशल मीडिया हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। हम इसका उपयोग दोस्तों और परिवार के साथ जुड़े रहने, अपने विचारों और अनुभवों को साझा करने और अपने आस-पास की दुनिया के बारे में जानने के लिए करते हैं। लेकिन सोशल मीडिया का हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ता है? इस बात के कुछ सबूत हैं कि सोशल मीडिया मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। उदाहरण के लिए, अध्ययनों से पता चला है कि जो लोग सोशल मीडिया का अधिक उपयोग करते हैं उनमें अवसाद, चिंता और अकेलेपन के लक्षणों का अनुभव होने की संभावना अधिक होती है। इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया जीवन के बारे में अवास्तविक अपेक्षाओं को जन्म दे सकता है, जिससे लोग अपने जीवन में अपर्याप्त या नाखुश महसूस कर सकते हैं। हालाँकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सोशल मीडिया और मानसिक स्वास्थ्य पर सभी शोधों में नकारात्मक परिणाम नहीं मिले हैं। कुछ अध्ययनों से पता चला है कि सोशल मीडिया वास्तव में सामाजिक समर्थन के लिए एक मंच प्रदान करके और लोगों को उनके हितों को साझा करने वाले अन्य लोगों से जोड़कर मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। अंततः, सोशल मीडिया और मानसिक स्वास्थ्य के बीच संबंध जटिल है। संभावित नकारात्मक और सकारात्मक दोनों प्रभाव हैं, और किसी व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया का प्रभाव संभवतः कई कारकों पर निर्भर करेगा, जैसे कि उनका व्यक्तित्व, सोशल मीडिया का उपयोग और उनका समग्र मानसिक स्वास्थ्य। नैतिक और मानवीय दृष्टिकोण से, मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया के संभावित नकारात्मक प्रभावों के प्रति सचेत रहना महत्वपूर्ण है। हमें अवास्तविक अपेक्षाओं, सामाजिक तुलना और साइबरबुलिंग के जोखिमों से अवगत होना चाहिए और हमें इन जोखिमों को कम करने के लिए कदम उठाने चाहिए। उदाहरण के लिए, हम सोशल मीडिया पर उपभोग की जाने वाली सामग्री के बारे में चयनात्मक हो सकते हैं, और हम सोशल मीडिया पर बिताए गए अपने समय को सीमित कर सकते हैं। हमें मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया के संभावित सकारात्मक प्रभावों के बारे में भी जागरूक होना चाहिए। सोशल मीडिया सामाजिक समर्थन के लिए एक शक्तिशाली उपकरण हो सकता है, और यह हमें उन लोगों से जुड़ने में मदद कर सकता है जो हमारे हितों को साझा करते हैं। हम रिश्ते बनाने, संसाधन खोजने और खुद को अभिव्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग कर सकते हैं। रीलों की पीढ़ी ! सबसे बड़ी चिंताओं में से एक यह है कि रीलें अवास्तविक सौंदर्य मानकों को बढ़ावा देती हैं। उपयोगकर्ताओं पर लगातार उत्तम शरीर, बेदाग त्वचा और ग्लैमरस जीवनशैली की तस्वीरें आती रहती हैं। इससे अपर्याप्तता और कम आत्मसम्मान की भावनाएं पैदा हो सकती हैं, खासकर युवा लोगों में जो अभी भी अपने बारे में भावना विकसित कर रहे हैं। रील्स और बॉडी इमेज रीलों के बारे में सबसे आम चिंताओं में से एक यह है कि वे नकारात्मक शारीरिक छवि संबंधी समस्याओं को जन्म दे सकते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि रीलों में अक्सर अत्यधिक संपादित और फ़िल्टर किए गए वीडियो होते हैं, जो सुंदर होने के अर्थ के बारे में अवास्तविक उम्मीदें पैदा कर सकते हैं। पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में पाया गया कि जो युवा महिलाएं रील्स का उपयोग करती हैं, उनमें उन लोगों की तुलना में शरीर की छवि संबंधी चिंताएं होने की अधिक संभावना होती है, जो इस प्लेटफॉर्म का उपयोग नहीं करती हैं। अध्ययन में यह भी पाया गया कि रील्स का उपयोग चिंता और अवसाद के बढ़े हुए स्तर से जुड़ा था। रीलों और तुलना रीलों के बारे में एक और चिंता यह है कि वे तुलना की भावना पैदा कर सकते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि रील्स में अक्सर ऐसे लोगों के वीडियो दिखाए जाते हैं जो आदर्श जीवन जीते प्रतीत होते हैं।

इससे लोगों के लिए अपने जीवन को काफी अच्छा देखना कठिन हो सकता है। कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स के एक अध्ययन में पाया गया कि जो युवा रील्स का उपयोग करते हैं, उनमें उन लोगों की तुलना में दूसरों से ईर्ष्या महसूस करने की अधिक संभावना होती है जो प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग नहीं करते हैं। अध्ययन में यह भी पाया गया कि रीलों का उपयोग सामाजिक स्तर में वृद्धि से जुड़ा थाचिंता। रील्स और लत अंत में, एक चिंता यह भी है कि रीलों की लत लग सकती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि रीलों को अत्यधिक आकर्षक बनाने और उपयोगकर्ताओं को बांधे रखने के लिए डिज़ाइन किया गया है। परिणामस्वरूप, बिना एहसास हुए भी रीलों को स्क्रॉल करते हुए घंटों बिताना आसान हो सकता है। एक अध्ययन में पाया गया कि जो युवा रील्स का उपयोग करते हैं, उनमें सोशल मीडिया के आदी होने की संभावना उन लोगों की तुलना में अधिक होती है, जो इस प्लेटफॉर्म का उपयोग नहीं करते हैं। अध्ययन में यह भी पाया गया कि रील्स का उपयोग तनाव और चिंता के बढ़ते स्तर से जुड़ा था। मुख्य बात सोशल मीडिया का स्वस्थ तरीके से उपयोग करना है। हमें अपने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना चाहिए, और हमें सोशल मीडिया के संभावित नकारात्मक प्रभावों से खुद को बचाने के लिए कदम उठाने चाहिए।

हमें सोशल मीडिया के संभावित सकारात्मक प्रभावों के बारे में भी जागरूक होना चाहिए और इसका उपयोग दूसरों से जुड़ने और स्वस्थ संबंध बनाने के लिए करना चाहिए। सोशल मीडिया का स्वस्थ तरीके से उपयोग करने के लिए यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं÷ आपके द्वारा उपभोग की जाने वाली सामग्री के बारे में चयनात्मक रहें। ऐसे लोगों या खातों का अनुसरण न करें जो आपको अपने बारे में बुरा महसूस कराते हैं। एल्गोरिदम से अवगत रहें. सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म आपको व्यस्त रखने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, इसलिए वे आपको ऐसी सामग्री दिखा सकते हैं जो नकारात्मक भावनाओं को ट्रिगर करने के लिए डिज़ाइन की गई है। इसके प्रति सचेत रहें और इससे बचने के लिए कदम उठाएं। सोशल मीडिया पर बिताए गए अपने समय को सीमित करें। प्रतिदिन 30 मिनट या उससे कम समय बिताने का लक्ष्य रखें। सोशल मीडिया से ब्रेक लें. अपना फ़ोन दूर रखें और वास्तविक जीवन में लोगों के साथ समय बिताएँ। कुछ समय के लिए सोशल मीडिया से दूर रहें, खासकर यदि आप चिंतित या उदास महसूस कर रहे हों। किसी से बात करो. यदि आप अपने मानसिक स्वास्थ्य से जूझ रहे हैं, तो किसी विश्वसनीय मित्र, परिवार के सदस्य या मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर से बात करें। याद रखें कि आप अकेले नहीं हैं. ऐसे लाखों लोग हैं जो सोशल मीडिया के बारे में आपकी तरह ही सोचते हैं। सहयोगी लोगों का एक समुदाय ढूंढें जो आपको ऊपर उठाएगा, और ज़रूरत पड़ने पर मदद के लिए पहुंचने से न डरें। सकारात्मक पर ध्यान दें. जब आप उदास महसूस कर रहे हों, तो अपने जीवन के सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने का प्रयास करें। उन चीज़ों के बारे में सोचें जिनके लिए आप आभारी हैं, या ऐसी गतिविधियाँ जो आपको खुश करती हैं। अपने विचारों और भावनाओं के प्रति सचेत रहें। यदि आप सोशल मीडिया का उपयोग करने के बाद उदास या चिंतित महसूस करने लगते हैं, तो ब्रेक लें। सोशल मीडिया के बिना सामाजिक बनने का प्रयास करें! दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएं। सामाजिक बने रहने का यह सबसे स्पष्ट तरीका है, लेकिन यह सबसे महत्वपूर्ण में से एक भी है। जिन लोगों की आप परवाह करते हैं उनके लिए समय निकालें और संपर्क में रहने के लिए सोशल मीडिया पर निर्भर न रहें। किसी क्लब या समूह में शामिल हों. लगभग हर चीज़ के लिए क्लब और समूह हैं, इसलिए आप निश्चित रूप से वह खोज लेंगे जिसमें आपकी रुचि हो। यह नए लोगों से मिलने और दोस्त बनाने का एक शानदार तरीका है। अपना समय स्वेच्छा से दें। स्वयंसेवा अपने समुदाय को वापस लौटाने और साथ ही नए लोगों से मिलने का एक शानदार तरीका है। कई अलग-अलग स्वयंसेवी अवसर उपलब्ध हैं, इसलिए आप कुछ ऐसा पा सकते हैं जो आपकी रुचियों और कार्यक्रम के अनुकूल हो। आयोजनों में भाग लें. आपके समुदाय में हमेशा घटनाएं घटती रहती हैं, इसलिए वहां जाएं और अन्वेषण करें! यह नए लोगों से मिलने और मौज-मस्ती करने का एक शानदार तरीका है। जिस व्यक्ति से आप नियमित रूप से मिलते हैं, उसके साथ बातचीत शुरू करें। यदि आप किराने की दुकान, लाइब्रेरी या पार्क में किसी ऐसे व्यक्ति को देखते हैं जिसे आप पहचानते हैं, तो बातचीत शुरू करने से न डरें। आप कभी नहीं जानते कि यह कहां ले जा सकता है। सक्रिय होना। लोगों के आपके पास आने का इंतज़ार न करें. संपर्क करने और योजनाएँ बनाने वाले व्यक्ति बनें। दोस्तों को रात के खाने के लिए आमंत्रित करें, किसी संगीत समारोह में जाएँ, या साथ में सैर पर जाएँ। सकारात्मक रहो। जब आप बाहर हों तो मिलनसार और मिलनसार बनें। लोगों को देखकर मुस्कुराएँ, आँख मिलाएँ, औरडी नमस्ते कहो. यदि आप सकारात्मक और मिलनसार हैं तो लोग आपसे बात करना चाहेंगे। अंत में, अपने और दूसरों के प्रति दयालु बनें। सोशल मीडिया नकारात्मकता का प्रजनन स्थल हो सकता है, लेकिन ऐसा होना जरूरी नहीं है। दयालुता और सकारात्मकता फैलाना चुनें, और आप दुनिया को एक बेहतर जगह बना देंगे। आपका मूल्य किसी पोस्ट पर मिलने वाले लाइक की संख्या या आपके फ़ॉलोअर्स की संख्या से निर्धारित नहीं होता है। सोशल मीडिया चाहे कुछ भी कहे, आप सुंदर, मूल्यवान और प्यार के योग्य हैं। हम सभी इंसान सुंदर हैं। हम सभी आकार, आकार, रंग और क्षमताओं में आते हैं। हमारी पृष्ठभूमि, अनुभव और मान्यताएं अलग-अलग हैं। लेकिन हम सभी इंसान हैं, और हम सभी सम्मान के पात्र हैं। सोशल मीडिया पर ऐसा महसूस न होने दें कि आप उतने अच्छे नहीं हैं। याद रखें कि आप सुंदर, मूल्यवान और प्यार के योग्य हैं।

सामाजिक–आर्थिक सुरक्षा की चुनौतियां

देश में तेज आर्थिक विकास के साथ जैसे-जैसे असंगठित और अनुबंध आधारित रोजगार का विस्तार हो रहा है, वैसे-वैसे सामाजिक आर्थिक सुरक्षा की चिंताएं तेजी से बढ़ रही हैं। सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा का संबंध ऐसी कानूनी व्यवस्था से है, जिसके तहत व्यक्ति या परिवार की आय के कुछ या सभी स्रोत बाधित हो जाएं, तब संबंधित व्यक्ति या परिवार का उपयुक्त रूप से ध्यान रखा जा सके। सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा के तहत जीवन चक्र में सामना किए जाने वाले बेरोजगारी भत्ता, विकलांगता लाभ, छंटनी लाभ, स्वास्थ्य बीमा, चिकित्सा लाभ, मातृत्व अवकाश आदि लाभ प्रदान किए जाते हैं। निश्चित रूप से सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा मानव पूंजी निर्माण में या तो सीधे भोजन, कौशल और सेवाएं प्रदान करके योगदान देती है, या परोक्ष रूप से नकदी पहुंच प्रदान करके परिवारों को उनके विकास में सक्षम बनाती है। भारत सरकार द्वारा नागरिकों की सामाजिक भलाई सुनिश्चित करने और उन्हें विविध माध्यमों से आवश्यक सुरक्षा प्रदान करने के मद्देनजर निशुल्क आवास, खाद्य सुरक्षा, सबसिडी वाली रसोई गैस, जन-धन योजना के माध्यम से गरीबों और किसानों को निर्धारित धनराशियां देकर करोड़ों लोगों की सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन यानी आइएलओ की रपट के मुताबिक दुनिया में महज 140 देशों में सामाजिक सुरक्षा से संबंधित योजनाएं हैं। दुनिया के विकासशील देशों में खासकर ये योजनाएं श्रमिकों की बीमारी, विकलांगता, बेरोजगारी पेंशन आदि से संबंधित हैं। हालांकि भारत सरकार विभिन्न माध्यमों से सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा का दायरा विस्तृत करने की डगर पर लगातार आगे बढ़ रही है, लेकिन अभी भी देश के अधिकांश लोग सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा की उपयुक्त छतरी से दूर हैं। देश के ऐसे करोड़ों लोग, जो अपनी बचत से अपनी सामाजिक सुरक्षा का प्रबंध करते हैं, वे बैंकों की फिक्सड डिपाजिट तथा डाकखाने और अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़ी विभिन्न बचत योजनाओं पर मिलने वाली कम ब्याज दरों से चिंतित हैं।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने 11 सितंबर को सत्तर वर्ष या उससे अधिक उम्र के सभी वर्गों के लोगों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल करने का फैसला किया है। इस योजना के तहत पांच लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। इससे 4.5 करोड़ परिवारों को फायदा होने की उम्मीद है। इन परिवारों में छह करोड़ बुजुर्ग हैं। इसी तरह केंद्र सरकार ने अगस्त में सरकारी कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन योजना (यूपीएस) को मंजूरी दी है।

निश्चित रूप से अभी देश का आम आदमी सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा के लिए चिंतित रहता है। देश के करीब 57 करोड़ के श्रमबल में से तीन फीसद से भी कम सरकारी क्षेत्र के कर्मचारी यूपीएस से जुड़े हुए हैं। मगर करोड़ों श्रमिकों और कर्मचारियों से संबंधित संगठित निजी क्षेत्र और असंगठित क्षेत्र के श्रमबल के सामने वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा चिंता का विषय बनी हुई है। हालांकि सरकारी कर्मचारियों के अलावा संगठित निजी क्षेत्र और असंगठित क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए भी पेंशन की कुछ व्यवस्थाएं हैं, लेकिन वे वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा के मद्देनजर अपर्याप्त और असंतोषप्रद हैं।

इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत मात्र 436 रुपए वार्षिक भुगतान पर दो लाख रुपए का बीमा कवर प्रदान किया जाता है। यह योजना 18 से 55 वर्ष की आयु के लोगों के लिए उपलब्ध है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत 18 से 70 वर्ष के लोग बीस रुपए वार्षिक भुगतान पर दो लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा प्राप्त कर सकते हैं। अटल पेंशन योजना (एपीवाई) असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों पर केंद्रित एक पेंशन योजना है। इसके तहत साठ वर्ष की उम्र में एक हजार रुपए से लेकर पांच हजार रुपए प्रति माह की न्यूनतम पेंशन की गारंटी ग्राहकों द्वारा योगदान के आधार पर दी जाती है। देश का कोई भी श्रमिक जिसकी उम्र 18 से 40 साल के बीच हो, एपीवाई योजना में शामिल हो सकता है।

इसी तरह व्यापारियों, दुकानदारों और स्वरोजगार करने वाले व्यक्तियों सहित असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए सरकार ने दो प्रमुख पेंशन योजनाएं शुरू की हैं- प्रधानमंत्री श्रम योगी मान- धन योजना (पीएम-एसवाईएम) और व्यापारियों, दुकानदारों तथा स्वरोजगार करने वाले व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस- ट्रेडर्स)। इन योजनाओं के तहत, लाभार्थी साठ वर्ष की आयु के बाद न्यूनतम तीन हजार रुपए की मासिक पेंशन प्राप्त करने के हकदार हैं। यह बात महत्त्वपूर्ण है कि 18-40 वर्ष की आयु के वे श्रमिक जिनकी मासिक आय पंद्रह हजार रुपए से कम है, वे पीएम एसवाईएम योजना में शामिल हो सकते हैं और व्यापारी, दुकानदार और स्वरोजगार करने वाले व्यक्ति, जिनका वार्षिक कारोबार 1.5 करोड़ रुपए से अधिक नहीं है, वे एनपीएस-ट्रेडर्स योजना में शामिल हो सकते हैं। दोनों योजनाओं के तहत लाभार्थी द्वारा 50 फीसद मासिक अंशदान देय है और केंद्र सरकार द्वारा समान मिलान अंशदान का भुगतान किया जाता है।

लिव-इन पार्टनर बना हैवान, नशे की हालत में पत्थर से कुचलकर ली प्रेमिका की जान

इंदौर। इंदौर के सुगनीदेवी कॉलेज परिसर में शनिवार को एक युवती लहूलुहान अवस्था में मिली थी जिसकी इलाज के दौरान एमवाय अस्पताल में मौत हो गई। युवती के शरीर पर ब्लेड के निशान और कई टैटू बने हुए थे। शुरुआती जांच में डॉक्टरों ने दुष्कर्म की आशंका जताते हुए सैंपल जांच के लिए भेजे हैं। पुलिस जांच में यह बात साफ हुई है कि युवती पर हमला उसके लिव-इन पार्टनर मुकेश कोरी ने किया था। आरोपी ने हत्या के इरादे से युवती के सिर और चेहरे पर पत्थर से जोरदार वार किए थे। गंभीर चोटों के कारण युवती ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

टीआई आरडी कानवा के अनुसार आरोपी मुकेश और युवती दोनों नशे के आदी थे। मुकेश युवती के खर्च उठाता था लेकिन उसे युवती के चरित्र पर संदेह था। शनिवार को इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। नशे की हालत में मुकेश ने खाली मैदान में युवती पर हमला किया और उसे मरणासन्न स्थिति में छोड़कर भाग गया।

शराब पीने के बाद उपजा विवाद - पूछताछ में आरोपी ने बताया कि शुक्रवार रात दोनों ने अवैध शराब खरीदी और परदेशीपुरा इलाके के एक ग्राउंड में बैठकर पी। देर रात करीब साढ़े तीन बजे युवती के अन्य संबंधों को लेकर बहस शुरू हुई। गुस्से में आकर मुकेश ने पत्थर से युवती पर हमला कर दिया।

इटारसी की है युवती - मृतक युवती मूल रूप से इटारसी की रहने वाली थी और पिछले कुछ समय से इंदौर में रह रही थी। पुलिस ने आरोपी मुकेश को हिरासत में ले लिया है। पहले पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया था लेकिन मौत के बाद अब इसे हत्या की धाराओं में बदल दिया गया है।

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर राजस्व वसूली एवं फॉर्मर रजिस्ट्री पर दिया विशेष जोर

झाबुआ। कलेक्टर नेहा मीना ने कलेक्टर कार्यालय में जिले के राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित कर राजस्व वसूली एवं राजस्व प्रकरणों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने राजस्व वसूली को प्राथमिकता पर लेते हुए इसे समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व वसूली हेतु विशेष शिविर आयोजित किए जाएँ, बकायदारों की सूची तैयार कर लक्षित कार्यवाही की जाए तथा पूर्व से लंबित प्रकरणों में शीघ्र वसूली सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्व वसूली शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है, जिसे समय से पूर्ण करें। बैठक में आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने समस्त लंबित प्रकरणों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन से संबंधित प्रकरणों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने फॉर्मर रजिस्ट्री से संबंधित कार्यों की विशेष समीक्षा करते हुए सारा पोर्टल पर आधार एंट्री का कार्य शीघ्र एवं शत-प्रतिशत पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फॉर्मर रजिस्ट्री शासन की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे कृषकों की जानकारी का एकीकृत एवं प्रामाणिक डाटाबेस तैयार होगा। इस कार्य को प्रभावी रूप से संपन्न कराने हेतु पटवारियों के ओरिएंटेशन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए। इसके अतिरिक्त बैठक में व्यपवर्तन, रिकॉर्ड दुरुस्ती, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत ई-केवायसी एवं एनपीसीआई की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने भू-अर्जन एवं भूमि आवंटन से संबंधित लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी राजस्व अधिकारी सतत रूप से राजस्व प्रकरणों के निराकरण, राजस्व वसूली एवं फॉर्मर रजिस्ट्री के कार्यों पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने राजस्व शिविरों के आयोजन, एसडीएम द्वारा कैंप कार्यालयों के सुव्यवस्थित संचालन तथा सेक्टोरल भ्रमण हेतु कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने गिरदावरी कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि इसे 28 फरवरी तक अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए।

इंदौर पुलिस का सड़क सुरक्षा अभियानः हेलमेट जागरूकता के साथ सख्त कार्रवाई, 1163 वाहन चालकों पर चालान

इंदौर। इंदौर शहर में यातायात को सुरक्षित, सुगम और सुव्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त (प्रभारी यातायात) श्री राजेश त्रिपाठी के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस द्वारा जहां एक ओर जागरूकता कार्यक्रम किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई भी की जा रही है।

सड़क दुर्घटनाओं में सिर में गंभीर चोट लगने से होने वाली मौतों को रोकने और नागरिकों में हेलमेट के महत्व को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया।

इस अभियान के तहत शहर के प्रमुख चौराहों जैसे पलासिया, विजयनगर, महूनाका, चाणक्यपुरी, राजीव गांधी सर्कल सहित अन्य क्षेत्रों में यातायात पुलिस ने व्यापक स्तर पर कार्रवाई की।

यातायात पुलिस द्वारा कार्रवाई के साथ-साथ अनाउंसमेंट के माध्यम से आमजन को यह भी समझाया जा रहा है कि हेलमेट पहनना केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि उनकी स्वयं की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। पुलिस कर्मियों द्वारा लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन, हेलमेट के उपयोग और दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों की जानकारी दी जा रही है।

इंदौर में बाइक टैक्सी पर एक्शन, ड्राइवर बोले- कंपनी ने नहीं बताया कि येलो प्लेट और ट्रेड लाइसेंस जरूरी

इंदौर। इंदौर शहर में नियमों की अनदेखी कर संचालित हो रही रैपिडो बाइक टैक्सियों पर परिवहन विभाग द्वारा कार्रवाई की गई थी। मामले में शुक्रवार को बड़ी संख्या में चालक क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय पहुंचे और अपनी परेशानी बताई। चालकों का कहना था कि रैपिडो के जरिए उनके घर-परिवार की रोजी-रोटी चलती है।

इससे छात्रों के साथ ही रोजाना सफर करने वालों को भी फायदा हो रहा है। वे नियमों का पालन करने के लिए तैयार हैं, लेकिन कंपनी ने किसी तरह के नियम नहीं बताए। अब मामले में परिवहन विभाग कंपनी को नोटिस जारी करेगा। वहीं यातायात पुलिस को भी जांच के लिए पत्र लिखा जाएगा, ताकि नियमों के अनुसार ही बाइक टैक्सी का संचालन हो सके।

ड्राइवरों ने कहा- वे नियम का पालन करने के लिए तैयार- परिवहन विभाग की कार्रवाई के बाद रैपिडो बाइक टैक्सी संचालकों की परेशानी बढ़ गई है। चालकों का कहना था कि वे नियमों का पालन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, लेकिन कंपनी की ओर से कभी यह स्पष्ट नहीं किया गया कि बाइक टैक्सी संचालन के लिए व्यावसायिक नंबर प्लेट और ट्रेड लाइसेंस अनिवार्य है। कंपनी उनसे केवल ड्राइविंग लाइसेंस, बाइक के दस्तावेज और आधार कार्ड ही लेती है, जिससे उन्हें लगा कि प्रक्रिया वैध है।

एआरटीओ अर्चना मिश्रा ने बताया कि परिवहन विभाग किसी की रोजी-रोटी छीनना नहीं चाहता, लेकिन नियमों का पालन सभी के लिए जरूरी है। बिना उचित अनुमति के किसी भी सेवा को संचालित करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। उन्होंने बताया कि इस प्रकरण में रैपिडो के मुख्यालय को नोटिस दिया जा रहा है और निर्देश दिए जाएंगे कि संचालन पूरी तरह नियमों के तहत हो।

नियमों की अनदेखी होने पर इंदौर शहर में बाइक टैक्सी सेवा बंद कराई जा सकती है। साथ ही बिना अनुमति चल रही बाइक टैक्सी सेवाओं पर कार्रवाई के लिए ट्रैफिक डीसीपी को भी पत्र भेजा जा रहा है। एआरटीओ राजेश गुप्ता ने मौके पर मौजूद चालकों को नियमों की विस्तृत जानकारी दी।

इन नियमों का पालन जरूरी

बाइक का व्यावसायिक पंजीकरण अनिवार्य।

कंपनी के पास वैध ट्रेड लाइसेंस होना चाहिए।

चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस हो।

वाहन का कमर्शियल बीमा और वैध पीयूसी।

चालक और सवारी दोनों के लिए हेलमेट जरूरी।

कंपनी के पास परिवहन विभाग की अनुमति अनिवार्य।

मध्य प्रदेश राज्य सेवा परीक्षा में पद बढ़ाने पर असमंजस, 155 पर भर्तियां; अभ्यर्थियों का दावा 450 से ज्यादा पोस्ट खाली

इंदौर। राज्य सेवा और वन सेवा परीक्षा 2026 में कम पद निकालने को लेकर अभ्यर्थी नाराज हैं। बीते दिनों अभ्यर्थियों ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) के कार्यालय के बाहर धरना दिया। चार दिन प्रदर्शन करने के दौरान अभ्यर्थियों ने पदों की संख्या बढ़ाने की मांग रखी। इसे लेकर एमपीपीएससी ने शासन को पत्र भेजा।

मगर अभी तक सरकार की तरफ से कोई जवाब नहीं आया है। इसे लेकर अब अभ्यर्थियों के सामने अमसंजस की स्थिति बनी है। वहीं परीक्षा में आवेदन करने को लेकर अंतिम दिन 9 फरवरी है। अधिकारियों के मुताबिक एक लाख से ज्यादा अभ्यर्थियों ने फार्म भरा है। राज्य सेवा और राज्य वन सेवा परीक्षा 2026 में 10 जनवरी से आवेदन की प्रक्रिया चल रही है, जो नौ फरवरी तक चलेगी। इसके बाद आवेदन करने पर विलंब शुल्क भी जमा करना होगा। 21 विभागों के 155 पदों पर भर्तियां की जाएंगी। 17 डिप्टी कलेक्टर, 18 डीएसपी, 3 वाणिज्यिक कर अधिकारी, 15 पंचायत व ग्रामीण विकास विभाग, 4 जनसंपर्क विभाग, 16 सहकारिता विभाग, 10 आबकारी विभाग सहित विभिन्न पद शामिल हैं।

वन सेवा में छह एसडीओ और 30 रेंजर के पद रखे गए हैं। कम पद निकालने को लेकर अभ्यर्थी गुस्साए हैं। 24 से 27 जनवरी के बीच अभ्यर्थियों ने धरना दिया। उनका कहना है कि 450 से ज्यादा पद राज्य सेवा में खाली हैं। मगर शासन ने महज 155 पर भर्तियां निकाली हैं। ऐसा ही हाल वन सेवा में भी स्थिति बनी है।

पदों की संख्या आयोग नहीं बढ़ा सकता- अभ्यर्थियों ने 200 से 250 के बीच पद बढ़ाने की मांग रखी थी। अधिकारियों के मुताबिक पदों की संख्या आयोग नहीं बढ़ा सकता है। शासन की तरफ से जितने पद बताए जाते हैं। उसके आधार पर अधिसूचना निकाली जाती है। वैसे शासन को पत्र भेज दिया है। जवाब आने के बाद पदों की संख्या के बारे में विचार किया जाएगा। वे बताते हैं कि 26 अप्रैल को प्रदेशभर में परीक्षा होना है। उसके प्रवेश पत्र 16 अप्रैल से जारी किए जाएंगे।

अब 72 घंटे में ईमेल पर मिलेगा मृत्यु प्रमाण पत्र, नगर निगम की नई व्यवस्था

इंदौर। इंदौर नगर निगम ने नागरिकों को बड़ी राहत देने वाली नई व्यवस्था लागू की है। अब घर पर होने वाली मृत्यु के मामलों में मृत व्यक्ति का मृत्यु प्रमाण पत्र 72 घंटे के भीतर परिजनों के ईमेल पर भेजा जाएगा। इसके लिए नगर निगम कार्यालय के चक्कर लगाने या किसी तरह का आवेदन करने की जरूरत नहीं होगी। पहले घर भेजा जाता था प्रमाण पत्र

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि पहले नगर निगम की ओर से मृत्यु होने पर 72 घंटे के भीतर शोक संदेश के साथ मृत्यु प्रमाण पत्र मृतक के घर भिजवाया जाता था। बाद में जन्म&मृत्यु के राष्ट्रीय पोर्टल से नगर निगम पोर्टल के जुड़ने के कारण यह व्यवस्था बंद हो गई थी।

संशोधित रूप में फिर लागू हुई व्यवस्था- महापौर ने बताया कि अब राष्ट्रीय पोर्टल से जुड़े रहते हुए इस व्यवस्था को संशोधित स्वरूप में फिर से लागू किया गया है। मुक्तिधाम पर अंतिम संस्कार के समय यदि यह जानकारी दी जाती है कि संबंधित व्यक्ति की मृत्यु घर पर हुई है, तो परिजनों द्वारा दिए गए ईमेल एड्रेस पर 72 घंटे के भीतर मृत्यु प्रमाण पत्र भेज दिया जाएगा।

नगर निगम आने की जरूरत नहीं- इस नई व्यवस्था के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए परिजनों को नगर निगम कार्यालय आने, आवेदन करने या किसी तरह का शुल्क जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। नगर निगम ने ईमेल के माध्यम से प्रमाण पत्र भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अस्पताल में मृत्यु पर लागू नहीं होगी सुविधा- प्रश्न के उत्तर में महापौर ने स्पष्ट किया कि अस्पताल में होने वाली मृत्यु के मामलों में यह सुविधा फिलहाल लागू नहीं हो पाएगी। इसका कारण यह है कि अस्पतालों से मृत्यु की जानकारी नगर निगम को विलंब से प्राप्त होती है, जिससे 72 घंटे के भीतर प्रमाण पत्र जारी करना संभव नहीं हो पाता।

सड़क के बीच में बिछी है नर्मदा लाइन,आसान नहीं होगा एलिवेटेड कॉरिडोर बनाना

इंदौर। इंदौर में छह किलोमीटर लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने की कवायद की जा रही है, लेकिन उसे बनाना इतना आसान भी नहीं होगा, क्योंकि जब बीआरटीएस कॉरिडोर पंद्रह साल पहले बनाया गया था, तब नर्मदा लाइन सड़क के बीच वाले हिस्से में डाली गई थी। इसके अलावा हर चौराहे पर सीवरेज के बड़े पाइप भी क्रॉस हुए हैं। यदि एबी रोड पर एलिवेटेड कॉरिडोर बनता है तो जगह-जगह लाइनों को शिफ्ट करना होगा। इसमें काफी समय लगेगा। बीआरटीएस निर्माण की समयसीमा दो साल तय की गई थी, लेकिन उसके बनने में पांच साल से अधिक का समय लगा, क्योंकि एबी रोड पर ट्रैफिक का दबाव काफी रहता है। ट्रैफिक को दूसरे रूटों पर भी ज्यादा डायवर्ट नहीं किया जा सकता है। यह परेशानी एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने में भी आएगी। एलिवेटेड कॉरिडोर के कॉलम बनाने के लिए जमीन में गहरी खुदाई करना होगी। इसमें सबसे ज्यादा समय गीता भवन से जीपीओ के बीच लगेगा। यहां पथरीला हिस्सा है। सीवरेज लाइन बिछाने के लिए इस हिस्से में चट्टानें तोड़ने के लिए विस्फोट का इस्तेमाल किया गया था। यहां लाइन शिफ्ट करना पड़ी तो उसके लिए भी अलग से खुदाई करना होगी।

कलेक्टर ने समयावधि पत्रों की समीक्षा एवं अन्तर्विभागीय समन्वय बैठक ली संकल्प से समाधान अभियान की प्रगति की समीक्षा

झाबुआ। कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में समयावधि पत्रों की समीक्षा एवं अन्तर्विभागीय समन्वय बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन से संबंधित शिकायतों के संतोषजनक एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के साथ ही ग्रेडिंग मंथ के अंतर्गत शत-प्रतिशत शिकायतों के निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

बैठक में कलेक्टर द्वारा संकल्प से समाधान अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। अवगत कराया गया कि अभियान के अंतर्गत अब तक कुल 37,726 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 20,295 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। कलेक्टर ने अभियान के अंतर्गत चिन्हित 106 सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुँचाने हेतु संबंधित विभागों को आवेदन प्राप्त कर त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही 15 फरवरी के पश्चात शिविरों के आयोजन हेतु निर्देशित करते हुए कहा कि समस्त शिविरों की जानकारी पूर्व से पंचायत स्तर पर प्रसारित की जाए तथा आपसी समन्वय स्थापित कर सुव्यवस्थित ढंग से शिविर आयोजित किए जाएँ। बैठक में कलेक्टर ने राजभवन के जनजातीय प्रकोष्ठ द्वारा प्रवासी श्रमिकों का डाटाबेस तैयार किए जाने के उद्देश्य से झाबुआ जिले को पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में चयनित किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने प्रवासी श्रमिकों के पोर्टल पंजीयन से संबंधित समस्त कार्यवाहियों हेतु प्रशिक्षण आयोजित कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बताया कि पंजीयन के दौरान प्रवासी श्रमिकों के आने-जाने की जानकारी के साथ-साथ नियोजित ठेकेदार, नियोजित करने वाली कम्पनी एवं फैक्ट्री का विवरण भी दर्ज किया जाएगा, जिससे भुगतान संबंधी शिकायतों के निराकरण, महिला एवं बच्चों के टीकाकरण तथा गर्भवती महिलाओं की ट्रेकिंग में सुविधा होगी। उन्होंने इस संबंध में संबंधित अधिकारियों से फीडबैक भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त कलेक्टर ने आगामी भगोरिया पर्व के दौरान टीकाकरण, आयुष्मान कार्ड निर्माण, खाद्य विभाग से संबंधित ई-केवायसी, पोषण आहार वितरण, गर्भवती महिलाओं के पंजीयन एवं एएनसी चेकअप जैसी गतिविधियों को प्लानिंग के साथ संचालित करने हेतु विशेष अभियान (स्पेशल ड्राइव) चलाने के निर्देश दिए। साथ ही मनरेगा अंतर्गत लंबित मटेरियल भुगतान को माह के अंत तक पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए।

महापौर के नेतृत्व में झोन 10 का निरीक्षण, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

इंदौर। नगर निगम द्वारा शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर को और अधिक सुदृढ़ व सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा हेतु सोमवार को महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने झोन क्रमांक 10 अंतर्गत साकेत नगर, तिलक नगर एवं मनीष पुरी क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया। इस अवसर पर विधायक श्री महेंद्र हार्डिया, आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर एवं राजेश उदावत सहित अन्य जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान चल रहे विकास कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और समयसीमा को लेकर अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की गई।

निरीक्षण दल में महापौर परिषद सदस्य राजेंद्र राठौर, राजेश उदावत, पार्षद श्री पुष्पेंद्र पाटीदार, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, कार्यपालन यंत्री श्री पी.एस. कुशवाह, अधीक्षण यंत्री श्री नरेश जायसवाल, उपयंत्री श्री पराग अग्रवाल, झोनल अधिकारी सहित निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान महापौर ने साकेत नगर के समीप स्थित शासकीय खदान भूमि का बारीकी से अवलोकन किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि यदि यह भूमि निगम के स्वामित्व में आती है तो इसके लिए एक समग्र विकास योजना तैयार की जाए, जिससे भविष्य में क्षेत्रीय सुविधाओं के विस्तार हेतु इसका बेहतर उपयोग किया जा सके। इसके पश्चात महापौर ने श्रीकृष्णा पब्लिक स्कूल से महावीर बाग पानी की टंकी तक निर्मित की जा रही सड़क परियोजना का निरीक्षण किया। लगभग 2.27 करोड़ रुपये की लागत से बन रही यह सड़क 370 मीटर लंबी एवं 18 मीटर चौड़ी होगी। महापौर ने निर्माण कार्य में तेजी लाने, गुणवत्ता बनाए रखने और निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह सड़क क्षेत्र की महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। महापौर ने कहा कि नगर निगम की प्राथमिकता शहर के प्रत्येक क्षेत्र में बेहतर सड़कें, जलप्रदाय एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि चल रही सभी परियोजनाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के अंतिम चरण में मनीष पुरी से रिंग रोड को जोड़ने वाली लिंक रोड निर्माण कार्य का भी अवलोकन किया गया। इस दौरान सड़क निर्माण के शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करने के साथ-साथ सड़क के मध्य स्थित पुराने विद्युत पोल को शिफ्ट करने के निर्देश भी दिए गए।

गर्म पानी से नहाने के फायदे जानकर आप भी जरूर लेंगे हॉट वाटर बाथ, स्किन से लेकर सेहत के लिए है अच्छा

(एजेंसी)। गर्मियों और उमस भरे दिनों में गर्म पानी से नहाना मुश्किल भरा हो सकता है, लेकिन गर्म पानी से नहाने के फायदे हैं। खासकर बिजी लोग जिनके पास एक्सरसाइज करने का समय नहीं होता उनके लिए गर्म पानी से नहाने के स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानें। आइए, जानते हैं।

नींद

गर्म पानी आराम की देने में मदद करता है। जिससे बेहतर नींद आती है। यह तनावपूर्ण मांसपेशियों को आराम देता है और शरीर के तापमान को बढ़ाता है। यह शारीरिक रूप में मदद करने के साथ मानसिक रूप से भी बेहतर महसूस करने में मदद करता है। गर्म पानी से 20 मिनट का स्नान और रात में अच्छी नींद के लिए पर्याप्त होता है।

ब्लड शुगर

ये फैक्ट है कि चलने और एक्सरसाइज करने से ब्लड शुगर लेवल कम होता है। इसके बदले में गर्म पानी से लिया गया स्नान आपके लिए मददगार साबित हो सकता है। ये आपके ब्लड शुगर के साथ ही कैलोरी बर्न करने में मदद करता है।

लॉफबोरो विश्वविद्यालय द्वारा हाल ही में किए गए एक अध्ययन में, 14 पुरुषों को लगभग एक घंटे तक गर्म पानी से नहलाया गया और इसके परिणामस्वरूप आधे घंटे की सैर के साथ जितनी कैलोरी बर्न हुई, वह लगभग 140 कैलोरी है। तो, दोनों स्थितियों में ब्लज शुगर की समग्र प्रतिक्रिया समान थी।

ब्लड प्रेशर कम करता है

ब्लड शुगर लेवल को कम करने के लिए कुछ अध्ययन किए गए हैं और वे सभी कहते हैं कि गर्म पानी में नहाने से ब्लड प्रेशर कम हो सकता है। यह किसी प्रकार की हृदय स्थिति वाले लोगों के लिए या बिना किसी हृदय रोग वाले लोगों के लिए भी बहुत अच्छा है। हालांकि, अगर आपको दिल की कोई बीमारी है तो आपको पहले डॉक्टर से सलाह लेनी होगी क्योंकि यह आपके दिल की धड़कन को बढ़ा सकता है। अगर डॉक्टर इसकी सलाह देता है तो आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

मॉइश्चराइज स्किन

आपने देखा होगा कि लंबे समय तक नहाने के बाद हमारी त्वचा झुर्रीदार हो जाती है लेकिन वास्तव में यह शरीर के लिए अच्छा होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि गर्म पानी त्वचा को लंबे समय तक नम रखता

बॉक्सम एलीट चैंपियनशिप में भारतीय मुक्केबाजों ने दिखाया जलवा, भारत पर हुई गोल्ड मेडल की बौछार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलिंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और पूर्व युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी की अगुआई में भारत ने बॉक्सैम एलीट इंटरनेशनल 2026 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए नौ स्वर्ण पदक जीते। शनिवार को सात एलीट महिला फाइनल में भारतीयों ने प्रतिनिधित्व किया। वहीं 54 किग्रा वर्ग में फाइनल दो भारतीयों के बीच हुआ। भारतीय महिलाओं ने प्रत्येक में स्वर्ण पदक जीता।

भारत नौ स्वर्ण, तीन रजत और सात कांस्य पदक के साथ प्रतियोगिता में सबसे सफल रहा। अंतिम दिन फाइनल में मंजू रानी (48 किग्रा) और नीतू (51 किग्रा) ने क्रमशः स्पेन की मार्टा लोपेज और नोएलिया गुटिरेज पर सर्वसम्मत जीत के साथ शुरुआत की। इसके बाद पूनम (54 किग्रा) ने एक कड़े मुकाबले वाले हमवतन प्रीति को हराया।

प्रिया और अरुंधति की शानदार जीत- प्रिया (60 किग्रा) और अरुंधति (70 किग्रा) ने यूक्रेनी प्रतिद्वंद्वियों पर 5-0 से शानदार जीत हासिल की। लवलीना (75 किग्रा) ने संयम से खेलते हुए इंग्लैंड की मैरी-केट स्मिथ को 4-1 से हराया। नैना (80 किग्रा) ने यूक्रेन की रायसा पिस्कुन पर जीत से क्लीन स्वीप पूरा किया।

पुरुषों में सचिन की जीत- पुरुषों के फाइनल में सचिन (60 किग्रा) ने कनाडा के केओमा-अली अल अहमदीह को 3-2 से हराया जबकि आकाश (75 किग्रा) ने कजाकिस्तान के अमन कोंसबेकोव पर 3-2 की जीत के बाद एक और स्वर्ण पदक जीता। दीपक (70 किग्रा) और अंकुश (80 किग्रा) को क्रमशः कजाकिस्तान और यूक्रेन के मजबूत प्रतिद्वंद्वियों का सामना करने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, बॉक्सैम एलीट ने मुक्केबाजों को वैसा ही अनुभव दिया जिसकी हम सत्र के इस चरण में तलाश कर रहे थे। स्पेन में प्रदर्शन, विशेष रूप से फाइनल में जीत का अनुपात हमारे कार्यक्रम की प्रगति को दर्शाता है।

वैभव सूर्यवंशी के सामने अब बोर्ड एग्जाम की चुनौती! क्या देंगे 10वीं की परीक्षा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट के मैदान पर अपनी धुआंधार बैटिंग से दुनिया को हैरान करने वाले समस्तीपुर के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी अब सीबीएसई द्वारा आयोजित 10वीं बोर्ड परीक्षा के लिए तैयार हैं। खेल के मैदान पर बड़े-बड़े गेंदबाजों के पसीने छुड़ाने वाले 14 साल के युवा क्रिकेटर के लिए इस समय पढ़ाई और क्रिकेट करियर के बीच संतुलन बिठाने की बड़ी परीक्षा है। दरअसल, मॉडेस्टी स्कूल के प्राचार्य आदर्श कुमार उर्फ पिंटू ने कहा है कि वैभव का एडमिट कार्ड आ गया है। पोद्दार इंटरनेशनल में सेंटर पड़ा है। वो परीक्षा देगा कि नहीं यह कहा नहीं जा सकता। उसका फैसला बोर्ड तय करेगा। स्कूल प्रशासन इस बात पर गर्व महसूस कर रहा है कि उनका छात्र राष्ट्रीय स्तर पर जिले और देश दोनों का मान बढ़ा रहा है। बिहार के लाल वैभव सूर्यवंशी के लिए इस साल फरवरी और मार्च का महीना काफी बिजी रहने वाला है। बता दें कि सीबीएसई की 10वीं की परीक्षाएं 17 फरवरी 2026 से शुरू होकर 11 मार्च तक चलेगी। अब देखना होगा कि वैभव 10वीं एग्जाम देते हुए नजर आते है या नहीं। वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ अंडर-19 विश्व कप 2026 के फाइनल में 175 रन की पारी खेलकर टीम इंडिया को छठी बार अंडर 19 वर्ल्ड कप ट्रॉफी दिलाई। वैभव की पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन की वजह से प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट का अवॉर्ड दिया गया। इस तरह वह दोनों अवॉर्ड जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने।

अल्जाइमर और मेमोरी लॉस के जोखिम से बचा सकती हैं आपकी रसोई में मौजूद ये आयुर्वेदिक हर्ब्स

(एजेंसी)। वर्ल्ड अल्जाइमर डे 2021 का उद्देश्य इस बीमारी के बारे में जागरुकता बढ़ा कर इसकी रोकथाम के उपाय खोजना है। अल्जाइमर रोग में याद्दाश्त धीरे-धीरे खोने लगती है। मगर वैज्ञानिक मानते हैं कि आयुर्वेद में मौजूद कुछ हर्ब्स संज्ञानात्मक हानि को रोक सकती हैं। आप जानकर हैरान होंगी, कि आयुर्वेद की ये महान जड़ी-बूटियां आपकी रसोई में ही मौजूद हैं। आइए जानते हैं इन आयुर्वेदिक हर्ब्स के बारे में जो आपकी मेमोरी बूस्ट कर डिमेंशिया और अल्जाइमर्स रोग से बचा सकती हैं।

क्या कहते हैं शोध- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रिवेंटिव मेडिसिन के अनुसार, कई आयुर्वेदिक हर्ब्स या जड़ी -बूटियां अल्जाइमर रोग और न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों को रोक सकती हैं। आपकी रसोई में मौजूद ये हर्ब्स आयुर्वेदिक और वैज्ञानिक तौर पर प्रमाणित हैं, जिनका सेवन नियमित तौर पर आहार में शामिल करके किया जा सकता है।

दालचीनी- दालचीनी ऐसा मसाला है, जो हर घर में मौजूद होता है। वृद्ध वयस्कों और प्री-डायबिटिक लोगों के लिए दालचीनी फायदेमंद साबित हो सकती है, क्योंकि इसमें प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स में ब्लड सर्कुलेशन सुधारने की क्षमता होती है, जो मस्तिष्क की कार्य प्रणाली को सही रखता है।

यह कोलेस्ट्रॉल, फास्टिंग ग्लूकोज और एचबीए1सी के स्तर को कम करने और इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार करने के लिए भी दिखाया गई है।

हल्दी - 2010 में प्रकाशित एक समीक्षा के अनुसार, प्रारंभिक शोध से पता चलता है कि हल्दी मस्तिष्क के स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकती है और बीटा-एमिलॉइड (एक प्रोटीन टुकड़ा) के मस्तिष्क को साफ करके अल्जाइमर रोग को दूर कर सकती है।

बीटा-एमिलॉइड के निर्माण को अल्जाइमर से संबंधित मस्तिष्क पट्टिका बनाने के लिए जाना जाता है। इसके अलावा, हल्दी मस्तिष्क में तंत्रिका कोशिकाओं के टूटने को रोककर मस्तिष्क के स्वास्थ्य की रक्षा कर सकती है।

वेट लॉस के लिए कोकोनट मिल्क से बनाएं यह स्पेशल ड्रिंक, जानें इंस्टेंट रेसिपी

(एजेंसी)। नारियल का दूध स्वाद के साथ हेल्थ के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है। गाय या भैंस के दूध की तुलना में नारियल दूध गाढ़ा और मलाईदार होता है। नारियल का दूध पीने से लंबे समय तक पेट भरा रहता है। साथ ही, यह फ्लांट बेस्ड मिल्क कई नूट्रिशन से भरपूर, वजन घटाने में सहायक, एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर, हेल्दी स्किन और बालों की ग्रोथ और इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस बनाने के लिए जाना जाता है।

वेट लॉस के लिए कैसे बनाएं कोकोनट मिल्क ड्रिंक रेसिपी- इस ड्रिंक को बनाने के लिए एक ब्लेंडर में नारियल का दूध मिलाएं। इसमें अदरक का रस, थोड़ी-सी काली मिर्च और शहद मिलाएं। इन्हें अच्छी तरह से ब्लेंड करें और सुबह चाय या कॉफी की जगह पिएं।

ऐसे निकालें कोकोनट मिल्क- आपको अगर कोकोनट मिल्क निकालना नहीं आता, तो इस आसान विधि से आप नारियल से दूध आसानी से निकाल सकते हैं।

मिक्सर जार में कसा हुआ नारियल और एक कप पानी डालें।

अब नारियल को मिक्सर में बारीक पीस लें।

अब एक साफ मलमल का कपड़ा बर्तन पर लगाएं। कपड़े में पिसा नारियल डालें।

फिर कपड़े को कसकर बांधें और नारियल को बर्तन में निचोड़ लें।

इस तरह गाढ़ा कोकोनट मिल्क तैयार है, जिसे कोकोनट मिल्क का फर्स्ट एक्सट्रैक्ट भी कहते हैं।

अब कपड़े में बचे हुए नारियल को फिर एक कप पानी के साथ मिक्सर में पीस लें।

इसे फिर से कपड़े में डालकर दूसरे बर्तन में छान लें।

यह पतला कोकोनट मिल्क है। इसे सेकेंड एक्सट्रैक्ट कहते हैं।

इससे भी पतला कोकोनट मिल्क तैयार करने के लिए, कपड़े में बचे हुए नारियल को फिर से एक कप पानी के साथ ग्राइंडर में ग्राइंड करें।

अब इसे कपड़े में डालकर अलग बर्तन में छानें। यह थर्ड एक्सट्रैक्ट और तीसरा कोकोनट मिल्क तैयार

महिलाओं को रोजाना करने चाहिए ये योगा आसन, फिट और हेल्दी रहने के लिए जरूर फॉलो करें

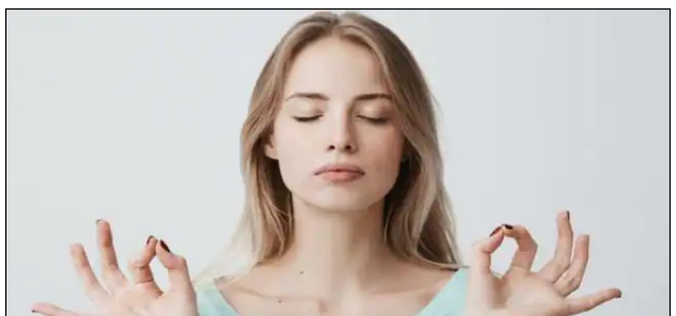

(एजेंसी)। हर किसी को जीवन में थोड़ी बहुत चिंता लगी रहती है। फिर चाहें वह लाइफ को लेकर हो या फिर किसी अन्य विषय पर। वहीं बात हो महिलाओं की तो उनके जीवन में भी चिंता बनी रहती है। जैसे रात के खाने के लिए क्या तैयार करें, कैसे टाइम स्पैंड करें, या फिर फिट रहने के लिए क्या करें। ऐसी चिंताएं हमारे मानसिक और शारीरिक सेहत पर बहुत प्रभाव डालती हैं। ऐसे में सेहत का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। योग तनाव को दूर करने और अपने शरीर और दिमाग को स्वस्थ रखने के लिए बहुत प्रभावी तरीका माना जाता है। तो चलिए जानते हैं कुछ योगा आसन के बारे में जिन्हें आप रोजाना घर पर कर सकते हैं।

सेतु बंधासन- इसे ब्रिज पोज के रूप में जाना जाता है, सेतु बंधासन के कई लाभ हैं। आप अपने रोजाना के रूटीन में इस आसन को शामिल कर सकते हैं। ये आसन आपके पोश्चर में सुधार करता है, आपकी छाती, फेफड़े, कंधों और पेट को स्ट्रेच करता है। अगर आपको सांस लेने में समस्या या पुरानी पीठ के निचले हिस्से में दर्द है तो यह रोजाना इसकी प्रेक्टिस करें। इसे करने के लिए पीठ के बल लेटकर शुरुआत करें और बाजुओं को अपनी-अपनी तरफ कर लें। जैसे ही आप सांस लेते हैं, अपने शरीर को फर्श से तब तक उठाएं जब तक कि आपकी छाती आपके चिन को न छू ले। कुछ सेकंड के लिए इस स्थिति में बने रहें फिर सांस छोड़ते हुए वापस सामान्य स्थिति में आ जाएं। ये उन महिलाओं के लिए बहुत अच्छी है जिन्हें सांस लेने में समस्या है या पीठ के निचले हिस्से में पुराना दर्द है।

नवासना- ये उन महिलाओं के लिए एकदम सही है जो एक ही स्थान पर बैठकर लंबा समय बिताती हैं। यह हमारे हाथ की मांसपेशियों, जांघों और कंधों को मजबूत करता है और हमारे शरीर में ब्लड फ्लो में भी सुधार करता है। इसे करने के लिए अपनी पीठ के बल लेटकर अपने पैरों को आपस में जोड़कर शुरू करें और हाथ को हाथ पर रखें। अपने हाथों को सीधा करें और अपनी उंगलियों को पंजों की ओर फैलाएं। अब धीरे-धीरे अपनी छाती और पैरों को जमीन से ऊपर उठाएं। ध्यान रखें कि आपका शरीर %वी% जैसा दिखे। अपने पैरों और छाती को नीचे लाने से पहले इस पॉजिशन को कुछ देर होल्ड करें में रहें। इसे करने से पेट और कोर ताकत के निर्माण के अलावा, यह योग आसन डीप हिप फ्लेक्सर्स का भी काम करता है।

हलासन- इसे हल पॉजिशन के रूप में भी जाना जाता है, आपके पूरे सामने के शरीर और जांघों को फैलाता है, साथ ही आपकी पीठ, ग्लूट्स, बाहों और पैरों की मांसपेशियों को मजबूत करता है। इसे करने के लिए फर्श पर सीधे लेट जाएं और हाथों को साइड में करें। कोर की मांसपेशियों का उपयोग करके धीरे-धीरे अपने पैरों को जमीन से ऊपर उठाएं। आपके कूल्हे फर्श को नहीं छूना चाहिए और पैर 90 डिग्री के कोण पर होने चाहिए। अपने पैरों को अपने सिर के ऊपर ले जाएं और अपने पैर की उंगलियों से फर्श को छूने की कोशिश करें। इसे करने से थायरॉयड ग्रंथि की गतिविधियों को नियंत्रित करता है जो प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने में मदद करता है।

स्कॉटलैंड का विजयी आगाज, बांग्लादेश की जगह शामिल टीम ने डेब्यूटेंट इटली को दी करारी शिकस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी मेंस टी-20 विश्व कप के 7वें मैच में स्कॉटलैंड ने इटली को 73 रन से मात दी। इस तरह इटली को हराकर स्कॉटलैंड टीम ने अपने अभियान का आगाज जीत के साथ किया। इटली टीम के कप्तान ने टॉस जीतकर मैच में पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था, जो उनके लिए गलत साबित हुआ। स्कॉटलैंड टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 207 रन का स्कोर खड़ा किया।

जवाब में इटली की टीम की बैटिंग आज कमाल की रही, लेकिन बीच के ओवर में वो पूरी तरह से गड़बड़ा गई और इटली के लिए इस रन तेज में बेंजामिन मनेंती ने सबसे ज्यादा 52 रन की पारी खेली, लेकिन इटली की टीम 16.4 ओवर में 134 रन पर ही ढेर हो गई।

स्कॉटलैंड ने इटली को 73 रन से हराया- दरअसल, स्कॉटलैंड की टीम की ओर से जॉर्ज मुन्से ने 84 रन की शानदार पारी खेली थी और टीम को इस विकेट पर बेहतरीन स्थिति में पहुंचाया। टॉप ऑर्डर में मुन्से के बल्ले से रन आए, जबकि मध्य क्रम में माइकल जोन्स (37) की पारी खेली। लोअर ऑर्डर में ब्रैंडन मैकमुलेन ने 41 रन बनाए, जिसकी वजह से टीम इस विकेट पर एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच पाई। वहीं, गेंदबाजी में इस दौरान इटली टीम के लिए अली हसन, ग्रांट स्टीवर्ट, जेजे स्मट्स और थॉमस ड्राका को 1-1 की सफलता हाथ लगी थी।

डेब्यूटेंट इटली को मिली हार- इसके जवाब में 208 रनों का पीछा करने जब इटली की टीम उतरी तो उन्हें शुरुआत तो बेहतर नहीं मिली। पारी की पहली ही गेंद पर उन्हें बड़ा झटका लगा। मध्यक्रम में जेजे स्मट्स (22) ने पारी को संभालने का काम किया, लेकिन वो भी बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में आउट हुए। रहैरी मनेंती ने 37 और बेंजामिन मनेंती की 52 रन की पारी के दम पर टीम की पारी संभली। यहां से ऐसा लगा कि ये जोड़ी स्कॉटलैंड को गेम से दूर कर देगी, लेकिन फिर हैरी का विकेट गिरा और उसके बाद विकेट की झड़ी लग गई। 113 रन पर 4 विकेट खोने के बाद 134 रन पर पूरी टीम सिमट गई। वहीं, इटली टीम के कप्तान वेन मैडसन कंधे की चोट के कारण बैटिंग करने नहीं आए, जो इटली को बड़ा नुकसान पहुंचा गया। इस पारी के दौरान माइकल लीस्क ने 4 विकेट हासिल किए और बैटिंग टीम की कमर तोड़ दी।

इस जीत के साथ स्कॉटलैंड ने अपना पहला अंक हासिल किया। वहीं, इटली का डेब्यू खराब रहा। बता दें कि स्कॉटलैंड को बांग्लादेश के टी-20 विश्व कप से हटने के बाद टूर्नामेंट में जगह मिली और पहले ही मैच में उन्होंने जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत कर दुनिया को अपने इरादे दिखा दिए हैं।

केएल राहुल ने बल्ले से मचाया तहलका, शतक लगाकर अपनी टीम को दिलाया सेमीफाइनल का टिकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल ने रणजी ट्रॉफी में कमाल की बैटिंग कर शतक लगाया है। राहुल के शतक के दम पर कर्नाटक ने मुंबई को हराकर सेमीफाइनल में एंट्री मार ली है। राहुल ने अपने फर्स्ट क्लास करियर का 24वां शतक लगाया और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। मुंबई और कर्नाटक के बीच खेले गए इस क्वॉर्टर फाइनल मुकाबले में पहले पारी में गेंदबाजों का दबदबा रहा लेकिन बाद में बल्लेबाजों ने अपना दम दिखाया।

इसी कड़ी में राहुल ने कमाल की बैटिंग की और शानदार सेंचुरी जड़ी। राहुल के शतक की वजह से कर्नाटक की टीम अब सेमीफाइनल में पहुंच गई है, जहां उनका मुकाबला उत्तराखंड से होना है। राहुल को उनकी बेहतरीन बैटिंग के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

केएल राहुल ने लगाई सेंचुरी- मुंबई के खिलाफ शरद पवार क्रिकेट एकैडमी में खेलते हुए राहुल ने बल्ले से जलवा दिखाया। उन्होंने मैच की चौथी पारी में मुंबई के द्वारा दिए गए 324 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ये शतक लगाया है। राहुल ने अपनी पारी के दौरान 182 गेंदों का सामना करते हुए 14 चौकों और एक छक्के की मदद से 130 रनों की पारी खेली। तो वहीं पहली पारी में बड़ा स्कोर नहीं बना सके थे और 28 गेंदों पर 26 रन बनाकर आउट हो गए थे।

कर्नाटक की सेमीफाइनल में एंट्री- कर्नाटक की टीम ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है, जहां उनका मुकाबला उत्तराखंड से होना है। उत्तराखंड ने क्वॉर्टर फाइनल में झारखंड की टीम को हराया था और बेहतरीन फॉर्म में चल रही है। दोनों टीमों के बीच ये मैच 15 फरवरी से खेला जाना है।

मैच का पूरा हाल- इस मुकाबले में मुंबई ने पहली पारी में बल्लेबाजी करते हुए मात्र 120 रन बनाए थे। इसके बाद कर्नाटक की टीम भी 173 रनों पर सिमट गई थी और मुंबई पर 53 रनों की बढ़त हासिल की थी। इसके बाद दूसरी पारी में मुंबई के बल्लेबाजों ने अच्छा खेल दिखाया और 377 रन बना डाले, जिससे कर्नाटक को जीत के लिए 325 रनों का लक्ष्य मिला।

इसके जवाब में कर्नाटक की टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर 325 रन बना डाले और मुकाबले को 4 विकेट से अपने नाम कर लिया। राहुल के अलावा स्मरण रविचंद्रन ने नाबाद 83 रनों की पारी खेली।

आयकर विभाग ने मांगे नए टैक्स कानून 2025 के नियमों पर सुझाव, आप भी भेज सकते हैं अपने सजेस्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयकर विभाग ने रविवार को कहा कि उसने एक अप्रैल से प्रभावी होने वाले नए आयकर कानून, 2025 के तहत टैक्स नियमों और फॉर्म्स के मसौदे पर हितधारकों से सुझाव मांगे हैं। विभाग ने एक बयान में जानकारी दी कि व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रस्तावित आयकर नियम, 2026 और संबंधित फॉर्म को अंतिम अधिसूचना से पहले आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कंसल्टेश प्रोसेस के तहत हितधारकों से चार श्रेणियों में सुझाव मांगे हैं।

ये हैं 4 कैटेगरियों के सुझाव- मांगे गए सुझावों की कैटेगरियों में भाषा का सरलीकरण, मुकदमों में कमी, अनुपालन बोझ को कम करना और अप्रासंगिक या पुराने हो चुके नियमों व फॉर्म्स की पहचान करना शामिल है। आप सीधे इस लिंक पर जाकर अपने सुझाव दर्ज कर सकते हैं।

विभाग ने कहा, ÷हितधारकों को इन मसौदों को पढ़कर सुझाव देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अंतिम अधिसूचना से पहले इन सभी सुझावों को कम्पाइल्ड कर उन पर समीक्षा के लिए विचार किया जाएगा।

पोर्टल पर एक लिंक जारी किया गया- सुझाव देने की सुविधा के लिए 'ई-फाइलिंग' पोर्टल पर एक लिंक जारी किया गया है, जो चार फरवरी, 2026 से एक्टिव है। हितधारक अपने नाम और मोबाइल नंबर के माध्यम से ओटीपी आधारित सत्यापन के बाद अपने सुझाव साझा कर सकते हैं।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि सुझाव देते समय संबंधित नियम, उप-नियम या प्रपत्र संख्या का स्पष्ट उल्लेख किया जाना चाहिए। छह दशक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 के स्थान पर अब नया आयकर अधिनियम, 2025 आगामी एक अप्रैल से लागू होगा। वर्तमान आयकर नियम, 1962 में 511 नियम और 399 फॉर्म हैं, जबकि प्रस्तावित नए नियमों में इनकी संख्या घटाकर क्रमशः 333 नियम और 190 फॉर्म कर दी गई है।

दबाव में न आने की रणनीति- पूर्व अमेरिकी मंत्री ने कहा- भारत की लॉजिकल सोच के आगे ट्रंप को भी झुकना पड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते की रूपरेखा तय होने के बाद नई संभावनाओं के खुलने की बात सामने आ रही है।

अमेरिका के पूर्व सहायक वाणिज्य मंत्री रेमंड विकरी ने कहा कि भारत ने अधिकांश देशों की तुलना में अधिक तार्किक और सुनियोजित प्रक्रिया अपनाई है और अराजकता के बजाय विवरणों पर काम करने को प्राथमिकता दी है।

एक विशेष इंटरव्यू में विकरी ने कहा कि सामान्य तौर पर बड़े व्यापारिक समझौते विस्तृत बातचीत और तकनीकी बिंदुओं के अंतिम रूप लेने के बाद ही घोषित किए जाते हैं, जबकि हालिया अमेरिकी शैली अपेक्षाकृत जल्द घोषणा कर बाद में ढांचे में विवरण समेटने की रही है।

विकरी के अनुसार भारत अब भी औपचारिक समझौते की दिशा में आगे बढ़ने की बात कर रहा है, जो पारंपरिक और टिकाऊ तरीका है।

उन्होंने रूस से तेल आयात के मुद्दे पर अमेरिका-भारत सहयोग की जरूरत भी रेखांकित की। उनका कहना था कि भारत-रूस संबंध जटिल हैं और इन्हें अचानक समाप्त करना व्यावहारिक नहीं होगा, इसलिए संतुलित और दीर्घकालिक दृष्टिकोण आवश्यक है।

उन्होंने यह भी कहा कि स्थायी व्यापार समझौते के लिए दोनों पक्षों को इंटरनेट मीडिया घोषणाओं से आगे बढ़कर परिचालन स्तर पर ठोस प्रविधान करने होंगे, ताकि समझौता समय की कसौटी पर खरा उतर सके।

डेढ़ साल बाद FMCG सेक्टर में आएगी बड़ी तेजी, खरीदना चाहिए HUL और Dabur के शेयर, क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में स्नस्ष्टत्त सेक्टर के शेयरों में शुक्रवार को अच्छी तेजी देखी गई और Nifty FMCG Index, 2 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ बंद हुआ। खास बात है कि हिंदुस्तान यूनीलिवर, डाबर और आईटीसी जैसे शेयरों ने अच्छी तेजी दिखाई, 5 प्रतिशत की बढ़त के साथ ITC इस सेक्टर का टॉप गेनर रहा। ॥रु के स्टॉक ने करीब 3 फीसदी की तेजी दिखाई। खास बात है कि एचयूएल और डाबर के शेयरों ने 200 DMA के ऊपर क्लोजिंग दी है, जो टेक्निकल आधार पर किसी शेयर में तेजी के लिए अच्छा माना जाता है।

सवाल है कि 16 महीने से मंदी की मार झेल रहे एफएमसीजी शेयरों में अब तेजी लौट रही है और क्या इस सेक्टर के शेयरों पर दांव लगाना चाहिए। इस सवाल पर जागरण बिजनेस ने मार्केट एक्सपर्ट्स से राय जानी।

वैल्थ मैनेजर और इंडिपेंडेंट मार्केट एक्सपर्ट, अभिषेक भट्ट ने कहा, एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में तेजी के पीछे तस्ञ्ज से जुड़ी संभावित राहत अहम वजह मानी जा रही है। पैकेज्ड फूड और रोजमर्रा के इस्तेमाल की वस्तुओं पर टैक्स ढांचे को सरल बनाने और इनपुट टैक्स क्रेडिट से जुड़ी अस्पष्टताओं को दूर करने के संकेत मिले हैं, जिससे FMCG कंपनियों के मार्जिन पर दबाव कम हो सकता है। इसके साथ ही केंद्रीय बजट में ग्रामीण खर्च बढ़ाने और आय समर्थन योजनाओं को जारी रखने के संकेतों से खपत में सुधार की उम्मीद बनी है। ग्रामीण डिमांड सुधरने का सीधा फायदा FMCG कंपनियों को मिलता है, क्योंकि इनकी बड़ी बिक्री वहीं से आती है। एक और अहम वजह कच्चे माल की लागत में स्थिरता है। पाम ऑयल, पैकेजिंग मटेरियल और क्रूड आधारित इनपुट्स की कीमतों में फिलहाल तेज उछाल नहीं है, जिससे आने वाली तिमाहियों में कंपनियों के मार्जिन बेहतर रह सकते हैं।

इन सभी कारणों के चलते निवेशकों ने डिफेंसिव सेक्टर की ओर रुख किया, जिसका सीधा असर FMCG शेयरों में तेज खरीदारी के रूप में देखने को मिल रही।

पाकिस्तान पंजाब ने घोषित किया गटर कानून; मैनहोल कवर चुराने या बेचने वाले को होगी 10 साल की जेल, 50 लाख जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाहौर से लेकर छोटे शहरों तक, खुले नालों की वजह से मौतें हुई हैं। इस घटना ने राजनीतिक ध्यान खींचा है, जिसकी वजह से पंजाब सरकार ने गटर कानून की घोषणा की है।

पाकिस्तान पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने कहा, गटर कानून के तहत मैनहोल कवर चुराने, खरीदने या बेचने वाले किसी भी व्यक्ति को कड़ी जेल की सजा मिलेगी और भारी जुर्माना भी भरना होगा।

पाकिस्तान पंजाब में क्यों बना गटर कानून- पाकिस्तान पंजाब में गटर कानून के लागू होने का कारण लाहौर के भाटी गेट पर दाता दरबार के पास एक दुखद घटना है। यहां एक महिला और उसका 10 महीने का बच्चा एक खुले सीवर में गिर गए और बचाव प्रयासों के बावजूद उनकी मौत हो गई।

सरगोधा में एक और घटना में, एक बच्चा एक खुले नाले में गिर गया, लेकिन समय पर बाहर निकाले जाने के बाद बच गया। इन मामलों ने इस मुद्दे पर ध्यान केंद्रित किया और सरकार को इस तरह का कानून के लिए मजबूर किया।

ऐसे मामलों के बढ़ने की वजह से अधिकारियों ने अब फैसला किया है कि अगर खुले मैनहोल की वजह से किसी भी व्यक्ति की मौत होती है, तो इसके लिए जिम्मेदार लोगों को न सिर्फ जेल होगी, बल्कि लाखों रुपये का भारी जुर्माना भी देना होगा। मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने इस संकट को गवर्नेंस की गहरी नाकामियों से जोड़ा है और अपने ऑफिस से एक कड़ी चेतावनी जारी की है।

सीएम ने कहा, जो कोई भी मैनहोल कवर चुराएगा, बेचेगा या खरीदेगा, उसे 1 से 10 साल की जेल होगी और अगर इससे किसी की मौत होती है, तो 10 साल की जेल के साथ-साथ 50 लाख रुपये तक का जुर्माना भी होगा।

जापान की PM सनाए ताकाइची का चुनावी दांव सफल, हासिल किया दो तिहाई बहुमत; पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन ने संसदीय चुनावों में ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। पीएम ताकाइची की पार्टी ने दो तिहाई बहुमत हासिल किया है। उनकी इस जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी है।

जापानी मीडिया के मुताबिक, उन्होंने यह जीत अपनी लोकप्रियता की वजह से हासिल की है। अपनी शानदार जीत के बाद पब्लिक टेलीविजन नेटवर्क ह्मद्य को दिए एक इंटरव्यू में ताकाइची ने कहा कि अब वह ऐसी नीतियां अपनाने के लिए तैयार हैं जो जापान को मजबूत और समृद्ध बनाएंगी।

पीएम मोदी ने क्या कहा- भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ताकाइची को बधाई देते हुए कहा, सनाए ताकाइची, प्रतिनिधि सभा के चुनावों में ऐतिहासिक जीत पर आपको हार्दिक बधाई। मुझे विश्वास है कि आपके कुशल नेतृत्व में हम भारत और जापान की मित्रता को नई ऊंचाई पर ले जाएंगे।

465 में से 316 सीटें की हासिल- NHK ने वोटों की गिनती के नतीजों का हवाला देते हुए बताया कि ताकाइची की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी LDP ने सोमवार सुबह तक अकेले 316 सीटें हासिल कर लीं, जो जापान की दो-सदनीय संसद के 465 सदस्यों वाले निचले सदन में 261 सीटों के पूर्ण बहुमत से कहीं ज्यादा है।

इंडियन एक्सपोर्टर्स की तो निकल पड़ी! 30 लाख करोड़ डॉलर के मार्केट में मिलेगी प्राथमिकता; इन सेक्टर्स को सबसे ज्यादा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-यूएस द्विपक्षीय समझौता वैश्विक व्यापार में देश के लिए एक अहम उपलब्धि है। इससे 30 ट्रिलियन डॉलर के अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यातकों को प्राथमिकता के आधार पर पहुंच मिलेगी। यह जानकारी सरकार की ओर से सोमवार को जारी किए गए एक आधिकारिक बयान में दी गई। सरकार ने बताया कि यह समझौता काफी व्यापक है और इसमें बड़ी संख्या में वस्तुओं का जीरो ड्यूटी पर निर्यात सुनिश्चित किया गया है। इससे दोनों देशों में डिजिटल और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कॉरपोरेशन बढ़ेगा।

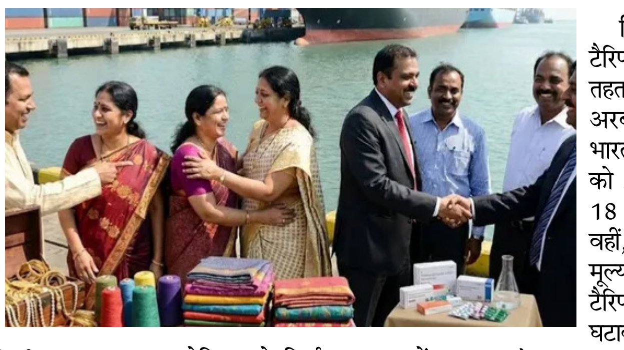

किन सेक्टर्स को लाभ- डील में किसानों, एमएसएमई और घरेलू इंडस्ट्री के लिए भी सुरक्षा को सुनिश्चित किया गया है। भारत का अमेरिका को निर्यात 2024 में 86.35 अरब डॉलर था। ऐसे में यह समझौता होने से देश के अधिक श्रम उपयोग वाले सेक्टर जैसे टेक्सटाइल, लेदर, गेम्स एंड ज्वेलरी और कृषि के साथ-साथ फार्मा और टेक्नोलॉजी से जुड़ी इंडस्ट्री को फायदा होगा।

कितना कम हुआ टैरिफ- इस समझौते के तहत अमेरिका ने 30.94 अरब डॉलर मूल्य के भारतीय निर्यात पर टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। वहीं, 10.03 अरब डॉलर मूल्य के भारतीय निर्यात पर टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दिया है।

इसके अलावा, बयान में कहा गया कि टेक्सटाइल और अपैरल निर्यात पर टैरिफ 50 प्रतिशत से 18 प्रतिशत होने से निर्यातकों को 113 अरब डॉलर के अमेरिकी बाजार तक पहुंच मिलेगी। वहीं, मशीनों के निर्यात पर टैरिफ कम होकर 18 प्रतिशत होने से 477 अरब डॉलर के अमेरिकी बाजार में निर्यातकों को बड़े अवसर मिलेंगे।

इन देशों पर है अधिक टैरिफ- अमेरिका का फुटवियर बाजार 42 अरब डॉलर का है। टैरिफ 50 प्रतिशत से कम होकर 18 प्रतिशत होने से भारतीय निर्यातकों को बड़े अवसर मिलेंगे। सरकारी बयान में बताया गया कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील में भारत ने डेयरी, मांस, मुर्गीपालन और अनाज जैसे क्षेत्र को पुरी तरह सुरक्षित रखा है।

इस समझौते से अमेरिकी बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में भी काफी इजाफा होगा, क्योंकि यूएस ने चीन पर 37 प्रतिशत, वियतनाम पर 20 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 20 प्रतिशत, मलेशिया, इंडोनेशिया,फिलीपींस, कंबोडिया और थाईलैंड पर 19-19 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है।

चीन को टक्कर देने में सक्षम भारत पृथ्वी पर अकेला देश, भारत दौरे से पहले ट्रंप के मंत्री का बड़ा बयान

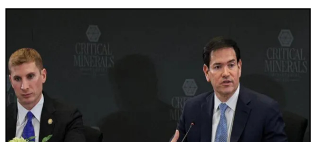

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने कहा कि भारत को पैक्स सिलिका पहल में शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हुए बेहद खुशी है। वह जल्द ही भारत सरकार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करेगा।

नई दिल्ली के साथ संबंधों में बहुत सकारात्मक गति है। अमेरिकी विदेश उप मंत्री (अर्थशास्त्र मामले) जैकब हेलबर्ग ने मानव प्रतिभा की विशालता के मामले में कहा कि भारत शायद पृथ्वी पर एकमात्र ऐसा देश है जो युवा, तकनीकी रूप से प्रशिक्षित प्रतिभा की मात्रा के मामले में चीन को टक्कर दे सकता है।

अमेरिकी विदेश उप मंत्री (अर्थशास्त्र मामले) जैकब हेलबर्ग ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, हम भारत को पैक्स सिलिका में शामिल होने के लिए आमंत्रित करने पर बहुत उत्साहित हैं, और मैं अगले कुछ हफ्तों में भारत सरकार के साथ एक महत्वपूर्ण हस्ताक्षर के लिए भारत की यात्रा करूंगा।

अमेरिका ने पिछले साल दिसंबर में पैक्स सिलिका लॉन्च किया, जो एक रणनीतिक पहल है जिसका उद्देश्य एक सुरक्षित, समृद्ध और नवाचार संचालित सिलिकान आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करना है जिसमें महत्वपूर्ण खनिज और ऊर्जा इनपुट से लेकर उन्नत निर्माण, सेमीकंडक्टर्स, एआइ अवसंरचना और लाजिस्टिक्स शामिल हैं। पैक्स सिलिका पहल के हस्ताक्षरकर्ताओं में ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, इजरायल, जापान, कतर, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ब्रिटेन शामिल हैं। भारत को पैक्स सिलिका पहल के प्रारंभिक समूह में शामिल नहीं किया गया था। हेलबर्ग ने कहा कि पैक्स सिलिका दिसंबर में लॉन्च किया गया था, जनवरी तक अमेरिका ने भारत के पैक्स सिलिका में शामिल होने के बारे में विचार-विमर्श कर लिया था। इसलिए हम भारत के साथ अपने साझेदारों के साथ चीजों के सकारात्मक दिशा में बढ़ने की गति से बहुत खुश हैं। भारत में बड़े पैमाने पर खनन और प्रसंस्करण संचालन करता है, जो आपूर्ति श्रृंखला पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने की क्षमता रखते हैं। इसलिए हमारे पास भारत के साथ साझेदारी करने के लिए बहुत सा क्षेत्र है। भारत शायद पृथ्वी पर एकमात्र ऐसा देश है जो युवा, तकनीकी रूप से प्रशिक्षित प्रतिभा की मात्रा के मामले में चीन के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकता है।

बेबी रेंच एपस्टीन का खौफनाक प्लान, इंसानों की सुपर रेस की योजना बना रहा था यौन अपराधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेफरी एपस्टीन को लेकर हर रोज नए-नए हैरान करने वाले खुलासे दुनिया के सामने आ रहे हैं। सेक्स ट्रैफिकिंग के आरोपों में जेल में सजा काटने के दौरान उसने साल 2019 में दम तोड़ दिया। एपस्टीन ने कथित तौर पर अपनी दौलत, प्रॉपर्टी और सोशल इमेज का इस्तेमाल करके इंसानों की सुपर रेस बनाने के लिए अपने डीएनए को फैलाने की एक बहुत ही खतरनाक योजना बनाई थी।

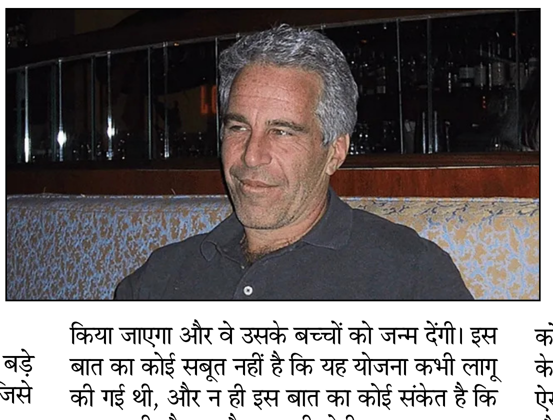

कई सालों तक, एपस्टीन ने वैज्ञानिकों और दूसरों को बताया कि वह न्यू मैक्सिकों में अपने बड़े से रेंच में महिलाओं को प्रेग्नेंट करना चाहता था, जिसे कुछ लोगों ने प्राइवेट तौर पर बेबी रेंच कहा।

न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, एपस्टीन ने उस प्रॉपर्टी को एक ऐसी जगह के रूप में सोचा था जहां महिलाओं को उसके स्पर्म से प्रेग्नेंट किया जाएगा और वे उसके बच्चों को जन्म देंगी। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि यह योजना कभी लागू की गई थी, और न ही इस बात का कोई संकेत है कि यह जरूरी तौर पर गैर-कानूनी होती।

एपस्टीन का विजन ट्रांसह्यूमनिज्म में उसकी दिलचस्पी पर आधारित था, जो एक ऐसा आंदोलन है जो इंसानी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए जेनेटिक इंजीनियरिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल को बढ़ावा देता है। आलोचकों ने अक्सर ट्रांसह्यूमनिस्ट सोच के तत्वों की तुलना यूजेनिक्स से की है, जो 20वीं सदी की शुरुआत का एक विश्वास था कि चुनिंदा ब्रीडिंग के जरिए इंसानियत को बेहतर बनाया जा सकता है, एक ऐसी विचारधारा जिसे बाद में नाजियों ने अपनाया और हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया।

बेबी रेंच एपस्टीन का खौफनाक प्लान- हावर्ड के एक सेशन में एपस्टीन ने गरीब देशों में भुखमरी को कम करने और स्वास्थ्य सेवा का विस्तार करने के प्रयासों की आलोचना की, यह तर्क देते हुए कि ऐसे हस्तक्षेपों से जनसंख्या बढ़ती है। पिंकर, जो वहां मौजूद थे, उन्होंने कहा कि उन्होंने इस दावे को चुनौती दी, यह बताते हुए कि शिशु मृत्यू दर अधिक होने से अक्सर परिवार अधिक बच्चे पैदा करते हैं।

2000 के दशक की शुरुआत से, एपस्टीन ने वैज्ञानिकों और बिजनेस हस्तियों से कहा कि वह अपनी न्यू मैक्सिको प्रॉपर्टी सांता फे के बाहर 33,000-वर्ग-फुट का एक रेंच जिसे जोरो रेंच के नाम से जाना जाता है, इसका इस्तेमाल एक बेस के रूप में करना चाहते हैं, जहां महिलाओं को उनके स्पर्म से गर्भवती किया जाएगा।

एपस्टीन ने अपनी योजना के बारे में बताया- NYT की रिपोर्ट के अनुसार, दो पुरस्कार विजेता वैज्ञानिकों और अमीर लोगों के एक सलाहकार ने स्वतंत्र रूप से याद किया कि एपस्टीन ने 2001 और 2006 के बीच डिनर और कॉन्फ्रेंस में उन्हें इस योजना के बारे में बताया था।

यह विचार केवल निजी बातचीत तक ही सीमित नहीं था। एक सलाहकार ने कहा कि उन्होंने इस योजना के बारे में न केवल एपस्टीन से बल्कि मैनहट्टन में एक सभा में एक प्रमुख बिजनेस हस्ती से भी सुना था।

टाटा मोटर्स ने तमिलनाडु के लोगों को दिया तोहफा, पैसेंजर व्हीकल्स किया शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी) ने सोमवार को कहा कि वह तमिलनाडु स्थित अपनी विनिर्माण इकाई में नौ हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी का लक्ष्य अगले पांच से सात साल में अपनी कुल उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 2.5 लाख इकाई सालाना करना है ताकि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों की मांग को पूरा किया जा सके।

कंपनी और उसकी अनुषंगी इकाई जगुआर लैंड रोवर ऑटोमोटिव पीएलसी (जेएलआर) ने तमिलनाडु के रानीपेट जिले के पनपक्कम स्थित संयंत्र में परिचालन शुरू करने की घोषणा की। टीएमपीवी ने बयान में कहा कि यह सुविधा अगली पीढ़ी के वाहनों (ईवी सहित) के उत्पादन के लिए एक नये संयंत्र के विकास के पहले चरण को दर्शाती है।

यह संयंत्र टीएमपीवी और जेएलआर दोनों ब्रांड के लिए वाहन तैयार करेगा। कंपनी ने बताया कि इस संयंत्र से निकलने वाला पहला वाहन जेएलआर का स्थानीय स्तर पर निर्मित 'रेंज रोवर इवोक' है। बयान के अनुसार, परिचालन शुरू होने के साथ ही वाहन उत्पादन को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाया जाएगा। अगले पांच से सात वर्षों में इसे 2.5 लाख वाहनों की पूर्ण वार्षिक क्षमता तक पहुंचाया जाएगा, जो भारतीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों की जरूरतों को पूरा करेगा।

कंपनी ने कहा, ''कुल मिलाकर, टीएमपीवी अपनी दीर्घकालिक विकास महत्वाकांक्षाओं को समर्थन देने के लिए इस अत्याधुनिक विनिर्माण संयंत्र में नौ हजार करोड़ रुपये निवेश करने का इरादा रखती है।'' टाटा संस और टीएमपीवी के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा, ''पनपक्कम संयंत्र का उद्घाटन टिकाऊ और भविष्य के लिए तैयार विनिर्माण में भारत के नेतृत्व को गति देने की टाटा समूह की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हमें तमिलनाडु के साथ अपनी दीर्घकालिक साझेदारी को और गहरा करने पर गर्व है।''

महाशिवरात्रि पर नवग्रहों की साक्षी बनेंगी काशी की परंपराएं

काशीपुराधिश्वर, हल्दी-सगुन से होगा मांगलिक अनुष्ठानों का शुभारंभ

दैनिक दिव्य संवाद/ सौरभ मिश्रा/ वाराणसी। देवाधिदेव महादेव की नगरी काशी में महाशिवरात्रि का पर्व केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि सदियों पुरानी लोकपरंपराओं, आस्था और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक है। इस वर्ष महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर काशीपुराधिश्वर भगवान विश्वनाथ नवग्रहों से सहित 11 प्रकार की पवित्र लकड़ियों से निर्मित विशेष काष्ठपट्ट पर विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे।

महाशिवरात्रि से पूर्व शुक्रवार को होने वाले हल्दी और सगुन के लोकाचार में भी इसी विशेष काष्ठपट्ट का उपयोग किया जाएगा। टेढ़ीनीम स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर के महंत आवास पर इन आयोजनों की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। परंपरानुसार बाबा विश्वनाथ और माता गौरा की चल प्रतिमाओं को विधि-विधानपूर्वक काष्ठपट्ट पर विराजमान कर मांगलिक अनुष्ठान संपन्न कराए जाएंगे।

नवग्रह और प्रकृति का आध्यात्मिक संगम- पूर्व महंत वाचस्पती तिवारी ने बताया काशी की परंपरा में बाबा विश्वनाथ के प्रत्येक लोकाचार में शास्त्र, प्रकृति और लोकजीवन का गहरा संबंध दिखाई देता है। इसी भाव के साथ इस वर्ष विशेष काष्ठपट्ट का निर्माण नवग्रहों से संबंधित पवित्र वृक्षों और वनस्पतियों की लकड़ियों से किया गया है। धार्मिक मान्यता है कि इन काष्ठों का प्रयोग ग्रहदोष शांति, सकारात्मक ऊर्जा और लोककल्याण का प्रतीक होता है।

नवग्रहों के अनुरूप सूर्य के लिए अर्क (मदार), चंद्र के लिए पलाश (ढाक), मंगल के लिए खदिर (खैर), बुध के लिए अपामार्ग (लटजीरा), गुरु के लिए पीपल, शुक्र के लिए औदुम्बर (गूलर), शनि के लिए शमी, राहु के लिए दुर्वा और केतु के लिए कुशा का चयन किया गया है। इसके साथ ही अक्षोड (अखरोट) और शाक (सागवान) की लकड़ी को सम्मिलित कर कुल 11 प्रकार के पावन काष्ठों से यह काष्ठपट्ट तैयार किया गया है।

देशभर के शिवभक्तों की श्रद्धा से सजी काष्ठपट्ट - वाचस्पती ने बताया इस विशेष काष्ठपट्ट के निर्माण में केवल काशी ही नहीं, बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों की आस्था भी जुड़ी है। उत्तर प्रदेश के साथ-साथ राजस्थान, कश्मीर, उत्तराखंड, बिहार और असम से इन पवित्र लकड़ियों को एकत्र किया गया। शिवभक्तों ने श्रद्धा भाव से इन लकड़ियों को महंत आवास तक पहुंचाया, जिसके बाद पारंपरिक विधि से काष्ठपट्ट का निर्माण कराया गया।

महंत आवास पर काष्ठपट्ट को धार्मिक मर्यादाओं और लोकाचार के अनुरूप अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसमें किसी प्रकार की आधुनिक सजावट के बजाय शास्त्रीय परंपराओं और काशी की लोकसंस्कृति का विशेष ध्यान रखा गया है।

हल्दी-सगुन से महाशिवरात्रि तक चलेगा उत्सव- काशी में महाशिवरात्रि का उत्सव कई दिनों तक चलने वाले अनुष्ठानों की श्रृंखला है। शुक्रवार को हल्दी और सगुन के साथ मांगलिक आयोजनों का शुभारंभ होगा। इसके बाद महाशिवरात्रि के दिन बाबा विश्वनाथ और माता गौरा का विशेष श्रृंगार, पूजन और लोकाचार संपन्न किया जाएगा।

मान्यता है कि इन अनुष्ठानों के माध्यम से काशीपुराधिश्वर अपने भक्तों के जीवन से कष्ट हरते हैं और सुख, समृद्धि तथा मंगलकामनाओं का आशीर्वाद प्रदान करते हैं। नवग्रहों से जुड़ी लकड़ियों से बने काष्ठपट्ट पर बाबा का विराजमान होना इस विश्वास को और अधिक दृढ़ करता है।

काशी की सांस्कृतिक विरासत का जीवंत स्वरूप- शिवाजंली के संयोजक संजीव रत्न मिश्र ने बताया काशी की पहचान केवल मंदिरों से नहीं, बल्कि उन लोकपरंपराओं से है, जो पीढ़ियों से जीवित चली आ रही हैं।

महाशिवरात्रि पर 11 पावन काष्ठों से बने विशेष काष्ठपट्ट पर बाबा विश्वनाथ का विराजमान होना उसी परंपरा का प्रतीक है, जिसमें प्रकृति, देवता और मानव जीवन एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं।

शिवभक्तों के लिए यह क्षण अत्यंत दुर्लभ और अलौकिक होगा, जब काशीपुराधिश्वर नवग्रहों की प्रतीक पवित्र लकड़ियों से बने आसन पर विराजमान होकर सगुन का लोकाचार पुर्ण कराकर समस्त लोक का कल्याण करेंगे।

नवग्रह सहित 11 पावन काष्ठों की सूची

नवग्रहों से संबंधित काष्ठ

- सूर्य - अर्क (मदार)
- चंद्र - पलाश (ढाक)
- मंगल - खदिर (खैर)
- बुध - अपामार्ग (लटजीरा)
- गुरु - पीपल
- शुक्र - औदुम्बर (गूलर)
- शनि- शमी
- राहु - दुर्वा
- केतु - कुशा

अन्य पावन काष्ठ

- अक्षोड - अखरोट
- शाक - सागवान

इन 11 प्रकार की पवित्र लकड़ियों से निर्मित विशेष काष्ठपट्ट पर महाशिवरात्रि एवं हल्दी-सगुन के लोकाचार में काशीपुराधिश्वर भगवान विश्वनाथ और माता गौरा की चल प्रतिमाएं विराजमान होंगी।

जिले के सभी छूटे हुए 410 आंगनवाड़ी परिसरों और सभी शाला भवनों में नल कनेक्शन उपलब्ध कराए- श्री चंद्रा

नीमच। नीमच जिले में नल कनेक्शन से शेष रहे सभी 410 आंगनवाड़ी परिसरों और सभी शाला परिसरों में गांधी सागर समूह जल प्रदाय योजना की नल पाईप लाईन से नल कनेक्शन उपलब्ध करवाकर जलापूर्ति सुनिश्चित करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिला स्तरीय जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक में जल प्रदाय कार्यो की प्रगति की समीक्षा करते हुए जल निगम के महाप्रबंधक को दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, जल निगम महाप्रबंधक श्री जितेन्द्र बिजोरिया, कार्यपालन यंत्री लोक स्वा.यांत्रिकी विभाग श्री दीपेश वास्पत सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में लोक निर्माण कार्यपालन यंत्री श्री अमित नार्गेश ने अवगत कराया, कि जिले में रतनगढ, जाट, ग्वालियरकला राजस्थान सीमा तक 41 कि.मी., जावद से मोरवन 16.5 कि.मी., नीमच चीताखेड़ा, जीरन से मल्हारगढ़ तक 36.6 कि.मी., एवं 31.4 कि.मी.आंत्री माताजी से भादवामाता सड़क का निर्माण कार्य इसी माह अंत तक अनुबंध किया जाकर प्रारंभ किया जा रहा है। इन सड़कों के निर्माण कार्य प्रारंभ होने के पूर्व यदि जल निगम द्वारा प्रस्तावित सड़कों के शोल्डर्स पर पाईप लाईन बिछाई है, तो उन्हें शिफ्ट करवाए, जिससे, कि वे सड़क निर्माण कार्य दौरान क्षतिग्रस्त ना हो। इस पर कलेक्टर श्री चंद्रा ने जल निगम के महाप्रबंधक को निर्देश दिए, कि वे नवीन प्रस्तावित सड़कों के नीचे पूर्व में बिछाई गई पाईप लाईन को अन्यत्र शिफ्ट करवाए, जिससे, कि सड़क निर्माण कार्य प्रभावित ना हो और पेयजल पाईप लाईन को भी कोई नुकसान ना हो। कलेक्टर ने जल निगम को रोड़ रेस्ट्रोरेशन का कार्य गुणवत्तापूर्ण करवाने और तेजी से पूरा करवाने के निर्देश दिए। उन्होने जल निगम को सभी घरों के बाहर दिए गये नीले पाईप के माध्यम से नल कनेक्शनों को ठीक करवाकर घरों पर पाईट एवं टोटी स्थापित कर नल कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

जावद में 'गांधीगिरी': वेतन न मिलने पर हाथ में 'माला' लेकर सफाईकर्मियों ने संभाला मोर्चा

नीमच। जावद नगर परिषद में सोमवार को एक ऐसा नजारा देखने को मिला जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। परिषद कार्यालय में जहां एक ओर पार्षद दल की महत्वपूर्ण बैठक चल रही थी, वहीं दूसरी ओर कार्यालय के बाहर हाथ में फूल-मालाएं लेकर खड़े कर्मचारियों ने विरोध का एक अनोखा और 'अजब-गजब' तरीका अपनाया।

वेतन नहीं, पर 'सम्मान' की तैयारी- नगर परिषद के सफाई कर्मचारी, वाटर सप्लाई विभाग के कर्मी और कंप्यूटर ऑपरेटर पिछले लगभग 3 माह से अपने वेतन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। घर का चूल्हा जलाने के लाले पड़ रहे हैं, लेकिन प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। ऐसे में कर्मचारियों ने नारेबाजी या हंगामे के बजाय 'गांधीगिरी' का रास्ता चुना।

अनोखा प्रदर्शन- वेतन मिल रहा है, हम बहुत खुश हैं! - जावद नगर परिषद कर्मचारी संघ के अध्यक्ष प्रहलाद बंजारा, दरोगा अनिल राडोदिया, राजु राडोदिया और संजय गेंगट के नेतृत्व में कर्मचारी मालाएं लेकर गेट पर खड़े रहे। कर्मचारियों का कहना है कि वे बैठक में जाकर पार्षदों और अधिकारियों का माला पहनाकर 'सम्मान' करेंगे।

कर्मचारियों ने व्यंग्य के जरिये दिखाई हकीकत - कर्मचारियों ने व्यंग्य करते हुए कहा, हम प्रशासन को यह संदेश देना चाहते हैं कि आपकी परिषद से हमें समय पर वेतन मिल रहा है और हमारे परिवारों में खुशी की लहर है। इसी 'खुशी' में हम आपका स्वागत करना चाहते हैं। यह कटाक्ष सीधे तौर पर परिषद की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगाता है। कर्मचारियों का यह तरीका बताता है कि वे आर्थिक तंगी के कारण कितने हताश हैं कि अब उन्हें विरोध के लिए व्यंग्य का सहारा लेना पड़ रहा है।

सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम अंतर्गत जिला स्तरीय अनुभव साझाकरण एवं सम्मान कार्यशाला का सफल आयोजन

रतलाम। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग के निर्देशन में सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम अंतर्गत जिला स्तरीय अनुभव साझाकरण एवं सम्मान कार्यशाला का आयोजन माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर, बाजना रतलाम में सफलतापूर्वक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला जनजातीय कार्य विभाग से सहायक आयुक्त श्रीमती रंजना सिंह एवं सहायक संचालक सुश्री प्रीति जैन उपस्थित थे।

सहायक आयुक्त द्वारा सक्षम कार्यक्रम अंतर्गत विकासखंड सैलाना के कन्या आश्रम शिवगढ़ एवं बाजना विकासखंड के एकीकृत माध्यमिक विद्यालय भड़ान कला में की गई विजिट का फीडबैक भी कार्यशाला के दौरान प्रस्तुत किया गया एवं सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम अंतर्गत अपने अनुभव साझा करते हुए प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों द्वारा अपने प्रेरणादायक वक्तव्य प्रस्तुत किए गए तथा शिक्षकों द्वारा सक्षम कार्यक्रम से जुड़े अपने अनुभव साझा किए गए। सहायक आयुक्त श्रीमती रंजना सिंह द्वारा सक्षम प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया।

जिसमें उन्होंने बच्चों की मेरी सीख की कॉपियां, मेरी सीख की दीवार क्लर चार्ट, स्टडी कॉर्नर, बाल कैबिनेट सहित सक्षम के सभी कॉम्पोनेंट्स देखें एवं उनकी प्रशंसा की। कन्या शिक्षा परिसर बाजना की छात्राओं ने सक्षम जीवन कौशल से जुड़े अपने अनुभव, सीख एवं प्रस्तुतियाँ अतिथियों के समक्ष प्रस्तुत कीं।

झांतला में धाकड़ समाज का द्वितीय सामूहिक विवाह सम्मेलन, सम्पन्न

सिंगोली। रतनगढ़ - सिंगोली धाकड़ समाज सामूहिक विवाह समिति के तत्वाधान में द्वितीय धाकड़ सामूहिक विवाह सम्मेलन 8 फरवरी रविवार को भैरुनाथ की नगरी झांतला स्थित स्वामी विवेकानंद खेल मैदान पर बड़ी संख्या में स्वजाति बंधु व कई राज नेताओ की उपस्थिति में संपन्न हुआ। झांतला में स्वयंभू भेरू नाथ की पवित्र पावन धरा पर आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन के दौरान 82 जोड़ो ने वैवाहिक बंधन में बंधकर एक दूसरे का हाथ थामा।

इस कार्यक्रम में श्री धाकड़ राष्ट्रीय युवा महासभा अध्यक्ष श्री अर्जुन जी धाकड़ सांसद सुधीर गुप्ता, राजगढ़ के सांसद रोडमल नागर, इंजीनियर कन्हैयालाल धाकड़ भीलवाड़ा, संत रामप्रिय दास जी महाराज थड़ोद, धाकड़,जन नेता राजकुमार अहीर ,प्रदेश कांग्रेस सचिव सत्यनारायण पाटीदार, धाकड़ समाज के पूर्व अध्यक्ष, समंदर पटेल, कांग्रेस के सक्रिय नेता बाल किशन धाकड़ लाड़पूरा, हेमलता धाकड़ कंजार्डा , पूर्व विधायक चुन्नीलाल धाकड़ , शंभू लाल धाकड़ जिला पंचायत प्रतिनिधि, ग्राम पंचायत सांसद प्रतिनिधि गोपाल धाकड़, दयाराम धाकड़, बद्री लाल धाकड़ कंजार्डा पूरणमल अहीर,पूर्व सरपंच एवं समाज सेवी बंशीलाल धाकड़ महुपुरा पुरण, मोतीलाल धाकड़, सहित अनेको अनेक अतिथियों ने मुख्य रूप से सामूहिक विवाह सम्मेलन पर अपने विचार रखते हुए कहा की,सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य सामाजिक समरसता मितव्ययिता फिजूल खर्ची सादगी समानता का संदेश देना है। यह आयोजन विवाह,में होने वाली फिजूल खर्ची और दिखावे को रोककर आर्थिक बोझ कम करने का प्रभावी माध्यम है। जो समाज को एकता और समानता के सूत्र में बांधती है। जो समाज में नवचेतना व जागृति का काम करेगा धाकड़ समाज किसान व देश का अन्नदाता है। समाज धीरे-धीरे रूढ़िवादिता व कुरीतियों को खत्म करके आगे बढ़ रहा है ऐसे आयोजनों से समाज में बाल विवाह पर भी लगाम लग रही है। आज समाज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है।

महंगाई के इस दौर में जहां एक और मध्यम व गरीब वर्ग देखा देखी में वैवाहिक समारोह में लाखों रुपए खर्च कर कर्ज में तले दबे जा रहा है।

आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में गायत्री परिवार द्वारा विवाह संपन्न करवाया गया वह कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर लोगों का मन मोह लिया

पूरे पंडाल को दुल्हन की तरह सजाया हुआ सावरा गया बड़े-बड़े होल्डिंग्स तोरण द्वार लाइटिंग , विशाल,पंडाल से लेकर पार्किंग पेयजल उक्त सम्मेलन को लेकर समाज जनों द्वारा समाज का तन मन धन से सहयोग रहा है। इस सम्मेलन में दोनों पार्टियों के जनप्रतिनिधियों सहित समाज के विभिन्न पदों पर पदासीन थे। आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति के समस्त पदाधिकारीयो द्वारा , आगंतुक अतिथियों का स्वागत सत्कार किया गया। बड़ी संख्या में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस एवं प्रशासनिक अमला , स्वास्थ्य अमला एवं फायर ब्रिगेड की गाड़ियां तैनात रही। इस दौरान तहसीलदार प्रेम शंकर पटेल थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा आर आई पटवारी प्रकाश शुक्ला ,आरआई बाल किशन धाकड़ सहित समस्त प्रशासनिक अमला मीडिया सहित सभी समितियों व क्षेत्र वासी धाकड़ समाज आदि का सराहनीय सहयोग रहा है।

कार्यक्रम का संचालन ओमप्रकाश धाकड़ ने किया तो आभार रतनगढ़ - सिंगोली धाकड़ समाज सामूहिक विवाह समिति के अध्यक्ष छीतरमल धाकड़ ने व्यक्त किया।

19 दिन बाद पुलिस के हत्थे चढ़े बदमाश

शाजापुर। जिले के मोहन बड़ोदिया थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम जावदी स्थित हनुमान मंदिर में चोरी करने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जिनसे पुलिस ने 4 लाख 20 हजार से अधिक का माल भी बरामद किया है। वाहन खराब होने से पुलिस आरोपियों को पैदल लेकर थाने पहुंची और रास्ते में आरोपी कहते रहे कि पुलिस हमारी बाप है, चोरी करना पाप है।

जिले ग्राम जावदी स्थित हनुमान मंदिर से अज्ञात बदमाशों ने दानपेटी सहित प्रतिमाओं पर चढ़े सोने-चांदी के आभूषण चुरा लिए थे। जिसकी सूचना मिलने पर मंदिर समिति सहित ग्रामीणों ने मोहन बड़ोदिया पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी और ग्रामीणों ने पुलिस से मामले का जल्द से जल्द खुलासा करने की भी मांग की थी। वही हाल ही में ग्रामीणों ने धरना देकर भी इस मामले के खुलासे की मांग की थी और पुलिस ने आश्वासन दिया था कि जल्द ही बदमाश गिरफ्त में होंगे। जिसके चलते पुलिस द्वारा लगातार सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे थे। आखिरकार 9 फरवरी को पुलिस को सफलता मिली और चोरी करने वाले दो बदमाशों सहित बेचने के लिए आभूषण रखने वाले एक और युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जिनसे मंदिर से चोरी गई नगदी, आभूषण व एक बाईक जब्त की है। पुलिस द्वारा आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

चेकिंग में धराए बदमाश, पूछताछ में माना अपराध- मोहन बड़ोदिया थाना प्रभारी भीमसिंह पटेल ने बताया कि 8 फरवरी को सारंगपुर रोड स्थित कुम्हारिया गेट के पास पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान दो संदिग्ध युवक तेज गति से बाइक पर आते दिखाई दिए। शक होने पर पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ा। पूछताछ में उनकी पहचान भूपेंद्र सिंह देवड़ा निवासी सतगांव, जिला शाजापुर और जितेंद्र उर्फ तांतिया चौहान निवासी चांदनगांव, जिला आगर-मालवा के रूप में हुई। जिनसे पूछताछ में दोनो ने वारदात करना कबूल किया। पुलिस को इनकी तलाशी लेने पर इनके पास से अवैध धारदार चाकू बरामद होने पर आर्म्स एक्ट के तहत अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए गए। बदमाशों ने पुलिस को बताया कि चोरी किए गए चांदी के आभूषण बेचने के लिए उन्होंने प्रशांत उर्फ गब्बर परिहार निवासी आगर-मालवा को दिए थे। जिनकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी गया करीब 4 लाख 20 हजार रू. का माल बरामद भी कर लिया है। वहीं पुलिस ने प्रशांत को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार पकड़ाए इन आरोपियों के विरुद्ध शाजापुर ही नहीं बल्कि आगर-मालवा और देवास जिलों में पहले से ही दर्जनों आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

चोरी करना पाप है- पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और इन्हें वाहन से ले जाया जाने लगा। लेकिन उसी समय पुलिस की गाड़ी खराब हो गई, जिस पर आरोपियों को पैदल पुलिस के जाते हुए दिखी। इस दौरान आरोपी कहते दिखे कि चोरी करना पाप है, पुलिस हमारी बाप है। इधर पुलिस की इस कार्यप्रणाली की लोगों ने प्रशंसा भी की है।

ग्राम लदुना एवं कनघट्टी को सौर ग्राम बनाने के दिए निर्देश

मंदसौर। सुशासन भवन स्थित सभागृह में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अपर कलेक्टर एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान ऊर्जा विभाग को निर्देशित किया गया कि ग्राम लदुना एवं कनघट्टी को सौर ग्राम के रूप में विकसित करने हेतु आवश्यक सभी कार्यवाही शीघ्र पूर्ण की जाए। साथ ही संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत प्राप्त सभी आवेदनों की ऑनलाइन प्रविष्टि सुनिश्चित कर अधिक से अधिक हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए गए। लीड बैंक मैनेजर को निर्देशित किया गया कि विभिन्न विभागों के निष्क्रिय बैंक खातों को तत्काल सक्रिय कराया जाए।

उद्यानिकी विभाग को पीएमएफएमई योजना अंतर्गत बैंकों में लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण हेतु समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए। पशुपालन विभाग को कामधेनु योजना के अंतर्गत अधिक प्रकरण तैयार करने तथा बीएलसीसी बैठक में विभाग प्रमुखों को बैंकों के माध्यम से अधिकाधिक प्रकरणों के निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मछली पालन विभाग को किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ अधिक से अधिक कृषकों तक पहुंचाने के लिए कहा गया। कृषि विभाग एवं लीड बैंक मैनेजर को फसल बीमा संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गए। जल अर्पण उत्सव के अंतर्गत पीएचई विभाग को पूर्ण कार्यों का हैंडओवर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का शीघ्र समाधान करने पर जोर दिया गया। गेहूं उपार्जन पंजीयन कार्य 7 मार्च तक संचालित रहेगा तथा 10 फरवरी से सत्यापन कार्य प्रारंभ होगा। नापतोल विभाग को सभी तोलकांटों का सत्यापन करने एवं संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समयबद्ध लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी मो: 9425379389 द्वारा एमआईजी ए-17/1, वेद नगर, नानाखेडा, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित कर प्रियंका ऑफसेट, 2/10 पिपलीनाका, भैरुगढ रोड, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित, सम्पादक : अभय नरवरिया मो: 9584111186 (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)